दैनिक **सांध्य प्रकाश**

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 104/ पृष्ठ 8 / मूल्य₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 16 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

मोदी की गारंटी भाजपा का भरोसा

मध्य प्रदेश संकल्प पत्र

सशक्त नारी

- लाड़ली बहनों को मासिक आर्थिक सहायता के साथ मिलेगा पक्का मकान
- ₹450 में गैस सिलेंडर
- गरीब परिवार की छात्राओं को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा देंगे
- 15 लाख ग्रामीण महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण द्वारा लखपति बनाएंगे
- लाड़ली लक्ष्मियों को जन्म से 21 वर्ष तक कुल ₹2 लाख देंगे

समृद्ध किसान

- किसानों से ₹2700 प्रति क्विंटल पर गेहूं और ₹3100 प्रति क्विंटल पर धान की होगी खरीद
- किसान सम्मान निधि और किसान कल्याण योजना से किसानों को सालाना ₹12,000
- सभी लघु और सीमांत किसानों, खेतिहर श्रमिकों एवं बटाईदार किसानों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करेंगे
- मुख्यमंत्री सिंचाई टास्क फोर्स का गठन करेंगे जो प्रदेश में ₹32,000 करोड़ की सिंचाई परियोजनाओं को समय पर पूरा करेगी

जनजातीय कल्याण

- जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण के लिए ₹3 लाख करोड़
- तेंदूपत्ता संग्रहण दर करेंगे ₹4,000 प्रति बोरा
- एसटी ब्लॉक में एकलव्य विद्यालय और एसटी बहुल जिलों में खुलेगा मेडिकल कॉलेज

उत्तम शिक्षा एवं सक्षम युवा

- गरीब परिवार के सभी छात्रों को 12वीं कक्षा तक मुफ्त शिक्षा
- सरकारी स्कूल में मिड-डे मील के साथ मिलेगा पौष्टिक नाश्ता
- IIT और AIIMS के तर्ज पर खुलेगा मध्य प्रदेश इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी और मध्य प्रदेश इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस
- प्रत्येक परिवार में कम से कम एक सदस्य को रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर

सबका साथ सबका विकास

- 5 सालों तक गरीबों को मिलता रहेगा मुफ्त राशन
- मध्यप्रदेश का कोई भी परिवार बेघर नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ ही मुख्यमंत्री जन आवास योजना शुरू करेंगे

सुदृढ़ आधारभूत संरचना

- 6 नए एक्सप्रेस-वे का निर्माण- विंध्य एक्सप्रेस वे, नर्मदा, अटल प्रगति, मालवा निमाड़, बुंदेलखंड एवं मध्य भारत विकास पथ
- 80 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के साथ वंदे मेट्रो, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन और रीवा, सिंगरौली और शहडोल में बनेंगे हवाई अड्डे

स्वस्थ प्रदेश

- ₹20,000 करोड़ के निवेश से स्वास्थ्य व्यवस्था बनेगी हाई-टेक, हॉस्पिटल और आईसीयू में बिस्तरों की संख्या होगी दोगुनी
- 5 लाख से ज्यादा व्यय होने पर आयुष्मान भारत के सभी लाभार्थियों को सीएम रिलीफ फंड के अंतर्गत मिलेगा लाभ
- डॉक्टर, नर्स एवं पैरा-मेडिकल स्टाफ की रिक्तियां शीघ्र भरेंगे साथ ही प्रत्येक जिले में नर्सिंग कॉलेज स्थापित करेंगे

प्रगतिशील अर्थव्यवस्था एवं औद्योगिक विकास

- मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अगले 7 वर्ष में ₹45 लाख करोड़ की बनाकर देश की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में लाएंगे
- प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करेंगे
- एक्सप्रेस-वे के पास औद्योगिक कॉरिडोर का निर्माण करेंगे जिससे 4.5 लाख से अधिक युवाओं को मिलेंगे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर

सुशासन एवं कानून व्यवस्था

- भोपाल एवं इंदौर के बाद जबलपुर और ग्वालियर में कमिश्नर प्रणाली लागू करेंगे
- भोपाल में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के नए परिसर का निर्माण

सांस्कृतिक धरोहर एवं विकसित पर्यटन

- 13 सांस्कृतिक लोकों का होगा भव्य निर्माण
- सभी जनजातीय नायकों के भव्य स्मारकों का निर्माण
- ₹7,500 करोड़ के निवेश के साथ 2 लाख युवाओं को पर्यटन के क्षेत्र में प्रशिक्षण और रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर

प्रकाशक- एमपी बीजेपी, प्रदेश कार्यालय

कमल का बटन दबाएं भाजपा को जिताएं

भाजपा का संकल्प पत्र डाउनलोड करने के लिए QR कोड स्कैन करें

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से WhatsApp के ज़रिए सीधे जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें

गुरूग्रंथ साहिब के पाठ और कथा के साथ कार्तिक मास का शुभारंभ

संत हिरदाराम नगर। भगवान कार्तिक के कार्तिक मास का शुभारंभ गुरूग्रंथ साहिब के पाठ एवं कार्तिक मास की कथा के साथ प्रारंभ किया गया। जिसका समापन गुरूनानक जयंती पर किया जाएगा। उपनगर के दरबारों और मंदिरों में कई धार्मिक आयोजन लगातार जारी रहेंगे। सुख सागर उदासीन दरबार में पाठ साहिब, कार्तिक मास की कथा एवं सत्संग के साथ आरंभ किया गया। प्रतिदिन अल्प सुबह 5 से 7 बजे तक सत्संग और शाम को 6 से 8 बजे तक सत्संग का आयोजन होगा।

इस अवसर पर बाबा रामदास उदासीन ने कहा कि यह धर्म की अधर्म पर जीत, सत्य की असत्य पर जीत एवं देवों की दैत्यों पर विजय का पर्व माना जाता है। कार्तिक पर्व का विशेष महत्व है। उपनगर में सुख सागर दरबार के अलावा अन्य दरबारों में भी पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण अल्प सुबह उठकर भगवान कार्तिक की पूजा करते है। दरबारों में पहुंचकर कथा, भजन-कीर्तन किया जाता है।

अधिक से अधिक संख्या में मतदान हो इसके लिए किया जागरूक

संत हिरदाराम नगर। माधुरी आयाम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की टीम ने अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए जनसंपर्क किया। इस दौरान आयाम की टीम खेतों में कार्य कर रहे मजदूरों, किसानों, गांव की दुकानों पर पहुंची और अपने एक मत का महत्व बताया, और आने वाली मतदान तारीख में मतदान करने के लिए प्रेरित किया, आयाम टीम लगातार ग्रामीण क्षेत्र, समसगढ़, केकड़िया, भानपुर, अमरपुरा, खाकरडोल, रसूलिया, फतेहपुर डोबरा, समसपुरा, बरखेड़ी बाजयफ्त, पहुंचकर, ग्रामीणों, किसानों को मतदान हेतु प्रेरित और जागरूक किया। जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य रूप से विभा जोशी, विकास जैन, सीमा, मंजू, तरूणा, रंजीत यादव, मनोज श्रीवास्तव प्रमुख रूप से शामिल थे।

केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने पोरसा अंबाह में रोड शो और दिमनी में की जनसभा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सभी बूथ कार्यकर्ता सभी मतदाताओं से संपर्क करें, उनकी बात सुनें और अपनी बात भी उससे कहें एवं और उन्हें भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिये प्रेरित करें। भाजपा की केंद्र और मध्य प्रदेश सरकार की उपलब्धियों के बारे में उन्हें बताएं। यदि हम अपनी बात समझाने में सफल हो गये तो निश्चित तौर पर हम रिकॉर्ड मतों से जीतेंगे। प्रत्येक कार्यकर्ता मतदाता को बूथ तक लेकर आये। मजबूती के साथ सभी को काम करना होगा। भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय तय है। यह बात केन्द्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं दिमनी से पार्टी प्रत्याशी नरेन्द्र सिंह तोमर ने दिमनी में जनसभा एवं पोरसा व अंबाह में रोड शो को संबोधित करते हुए कही। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों के बारे में जनता को बताएं। मुरैना,पोरसा,अंबाह और दिमनी क्षेत्र में उनके प्रयास और भाजपा सरकार के सहयोग से मेडीकल कॉलेज, हॉर्टीकल्चर कॉलेज,केंद्रीय विद्यालय, पिनाहट पुल आदि तमाम योजनाएं भाजपा के शासनकाल में ही संपन्न हुई है। आगे जो योजनाएं रह गई हैं तो उन्हें पूरा करने के लिये एक जुट होकर काम करें और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 51 प्रतिशत वोट का जो लक्ष्य दिया है, उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर कार्यकर्ता को बूथ पर मजबूती के साथ काम करना है।

तोमर ने कहा कि पार्टी के लिए एक-एक मतदाता महत्वपूर्ण है, इसलिए अपने बूथ के एक-एक मतदाता की सूची को साथ लेकर उनसे संपर्क करें और आने वाली 17 तारीख को वोट करने के लिये बूथ तक पंहुचाए। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने मतदाताओं को विश्वास दिलाते हुए कहा कि आपके क्षेत्र से मैं सांसद हूं, क्षेत्र बड़ा होने के कारण मैं हर गांव, घर में नहीं पहुंच पाया, लेकिन जब भी निकलता था तो

महीने में दो चक्कर दिमनी के लग ही जाते थे। भले ही मैं हर घर में नहीं पहुंच पाया, हर व्यक्ति से नहीं मिल पाया, लेकिन क्षेत्र के विकास में मैंने कोई कोर कसर नहीं छोडी है। मैं अब विधायक बना तो प्रत्येक कार्यकर्ता अपने आपको विधायक समझे। भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि और स्थाई है। कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत है, इसलिए आपके संकल्प से भाजपा की प्रचंड बहुमत से फिर सरकार बनेगी।

केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जब से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश का नेतृत्व संभाला है, तब से दुनिया का कोई भी देश हो भारत की मौजूदगी के बिना उसका एजेंडा तय नहीं होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत को रुकना नहीं है, किसी के आगे झुकना नहीं है। बस आगे ही बढ़ते जाना है। यह समय भारत के उत्थान का समय है। ये सिलसिला जारी रहे इसके लिये भाजपा को अपने वोट की ताकत से मजबूत बनाएं। श्री तोमर ने कहा कि आने वाली 17 तारीख को कमल के फूल के सामने वाला बटन ही दबाना है किसी के बहकावे में नहीं आना है। आपका वोट बहुत कीमती है इसलिये इसे व्यर्थ खराब नहीं करना है। जो सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं उनकी सरकार तो वैसे भी नहीं आने वाली है। इसलिये इनके झूठे वादों में आपको नहीं फंसना है।

रोड में उमड़ा जनसैलाब

जनसभा से पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने पोरसा के बैराड और अंबाह में रोड शो किया। रोड शो के दौरान श्री तोमर के साथ अंबाह से भाजपा प्रत्यासी श्री कमलेश जाटव और फिल्म अभिनेता कॉमेडियन श्री जॉनी लीवर ने श्री तोमर के साथ रथ पर

कांग्रेस ने भगवान राम को काल्पनिक बताया: फडणवीस

भोपाल। कांग्रेस सनातन विरोधी है। कांग्रेस भगवान श्रीराम और श्रीराम सेतु को काल्पनिक बताती है। चुनाव आते ही कांग्रेस को हिन्दू और मंदिर दिखते हैं। 60 साल कांग्रेस ने मंदिर की सीढ़ियां नहीं चढ़ीं। यह बात महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने छिंदवाड़ा जिले सौसर के पीपला में भाजपा प्रत्याशी श्री नाना भाऊ मोहोड के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। श्री फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बेटे ने सनातन धर्म को डेंगू मलेरिया बताया है। कांग्रेस कभी विकास नही कर सकती क्योंकि उसके पास विकास का कोई विजन नहीं है। फडणवीस ने पांढुर्ना में भी पार्टी प्रत्याशी श्री प्रकाश उइके के समर्थन में भी जनसभा को संबोधित किया। फडणवीस ने कहा कि मध्यप्रदेश का यह चुनाव प्रदेश के भविष्य तय करेगा।

प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होगी तो विकास का क्रम जारी रहेगा और प्रदेश विकसित राज्य की राह पर जो बड़ रहा है वो जल्दी पूरा हो जाएगा। कमलनाथ और कांग्रेस के शासन में प्रदेश का विकास नहीं हो सका। कांग्रेस ने सिर्फ घोटाले ही घोटाले किए। 2003 के पहले का मध्यप्रदेश और आज के मध्यप्रदेश में जमीन आसमान का अंतर है।

फडणवीस ने कहा कि कमलनाथ की सरकार में सौंसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा तोड़ने का काम किया। जैसे ही शिवराज की सरकार बनी यहा भव्य प्रतिमा लगाई गई। सौंसर में चमत्कारी श्री हनुमान मंदिर में आज तक कमलनाथ ने एक रुपया भी नहीं दिया, लेकिन शिवराज सरकार ने मंदिर निर्माण के लिए 314 करोड़ रुपये प्रदान किये जिसका कार्य तीव्र गति से चल रहा है. फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र जी मोदी और राज्य सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनाओं को चला रखा है और उसका फायदा लोगों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीबों को मकान बनाकर दिए गए। प्रधानमंत्री सम्मान निधि के अलावा अनेक योजनाओं के माध्यम से गरीब कल्याण की दिशा में कदम उठाए गए हैं।

सबनानी ने प्रचार के अंतिम दिन कई कॉलोनियों में किया जनसंपर्क

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी भोपाल दक्षिण पश्चिम के प्रत्याशी भगवान दास सबनानी ने प्रचार के अंतिम दिन बुधवार को प्रात: निज निवास रेवेरा टाउन पर ब्रह्म कुमारी आश्रम से पधारी बहनों से तिलक कराकर आशीर्वाद लेकर भाई दूज पर्व मनाया। इसके उपरांत उन्होंने अपना जनसंपर्क प्रारंभ किया जनसंपर्क के दौरान वार्ड क्रमांक 33 के ओम नगर में देवतुल्य जनता के बीच जाकर आशीर्वाद प्राप्त किया ,तत्पश्चात वॉयरलैस कॉलोनी सहयाद्री परिसर ,पीएनटी कॉलोनी ,आदि क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क कर जनता जनार्दन को नमन किया और अपने लिए समर्थन मांगा।

बिरसा मुंडा जयंती पर किया माल्यार्पण

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी मध्य विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी ध्रुवनारायण सिंह ने विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड-51 के बाबा नगर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर भगवान बिरसा मुंडा की छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा की भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे उन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में हुए एक आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया जिससे वह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए भारत के आदिवासी उन्हें भगवान मानते हैं।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने जबलपुर व बालाघाट में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को किया संबोधित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

। कांग्रेस पार्टी की सरकार और इनके घमंडी नेताओं ने प्रभु श्री राम के अस्तित्व को नकार दिया था। सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस पार्टी की केंद्र सरकार ने प्रस्तुत दस्तावेज में कहा था कि राम काल्पनिक हैं, राम का कोई ऐतिहासिक आधार नहीं है। वहीं भारतीय जनता पार्टी और देश की जनता ने धर्म के लिए धैर्य धारण कर तथ्यों के साथ संघर्ष किया और आज परिणाम सबके सामने है। 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का लोकार्पण होने जा रहा है और इसी दिन रामलला मंदिर में विराजमान होंगे। आप लोगों को मुद्दों का समाधान चाहिए तो 17 नवंबर को कमल का बटन दबाकर फिर एक बार मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान करें। यह बात केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी जबलपुर जिले की सिहोरा विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी श्री संतोष बरवडे के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। श्रीमती स्मृति ईरानी ने बालाघाट जिले की कटंगी विधानसभा क्षेत्र में भी पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया है।

केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव आस्था के साथ विकास की पक्षधर रही है। इसीलिए आज देश से लेकर आपके मध्यप्रदेश तक विकास कार्यों की निरंतरता है और आमजन को सीधे लाभान्वित करने कि योजनाएं क्रियान्वित हो रही हैं। भाजपा की सरकार में आम जनमानस का जीवन स्तर खुशहाल हुआ है। इसी विकास की निरंतरता को बनाए रखने आप सबको

पुन: मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार चुनना है। मध्यप्रदेश में फिर भाजपा सरकार बनाने के लिए आप सब 17 तारीख को कमल का बटन दबाकर भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनाएं।

केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने कहा कि सिहोरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री संतोष भैया को अपना आशीर्वाद प्रदान करें और प्रचंड मतों से जिताकर विधायक बनाएं। भारतीय जनता पार्टी हमेशा विकास की बात करती है। भाजपा सदैव विकास की पक्षधर रही है। जब से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बनी है, भारत तेजी से विकास कर रहा है। मध्यप्रदेश में भी भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने विकास करके प्रदेश को विकसित राज्य बनाया है। फिर एक बार भाजपा की सरकार बनाइए, भाजपा आपके प्रदेश को स्वर्णिम प्रदेश बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इनके नेताओं को विकास से कोई वास्ता नहीं है। कांग्रेस के नेता हमेशा अपने परिवार का भला करने की सोचते हैं, जनता की भलाई नहीं करते। भाजपा सरकार हमेशा जनता को लाभान्वित करने वाली योजनाएं संचालित करती है, ताकि जनता को अधिक से अधिक सीधे लाभ पहुंचाया जा सके। केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने कहा कि आप सभी ने दीपावली का पूजन किया है। आप सभी लोगों को मालूम है कि माता लक्ष्मी कमल पर विराजमान होती हैं। आप सभी कमल का साथ दें, कमल का बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी को प्रचंड मतों से जिताएं।

विश्वास के विकास कार्यों से मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया: सीएम

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 230 सीटों पर 17 नंवबर को होने वाले मतदान को लेकर बुधवार शाम को 6 बजे से राजनीतिक दलों का प्रचार प्रसार थम गया है। इसके पहले शीर्ष नेताओं ने अपने-अपने प्रत?याशियों के लिए प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नरेला विधानसभा में आमसभा को संबोधित किया। सभा के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा उम्मीदवार विश्वास सारंग की जम कर तारीफ़ करते हुए कहा, विश्वास ने ऐसा विकास किया कि मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। मध्यप्रदेश में विकास के मामले में यदि कोई नंबर एक विधानसभा है तो वह नरेला है। छोटे भाई विश्वास को आशीर्वाद देता हूं कि वो इसी तरह आगे बढ़ते रहो। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा मैं वादा करता हूं जितने वोटों से आप विश्वास को जिताओगे मैं उतना ऊंचा विश्वास को लेकर जाऊंगा। विकास के मामले में विश्वास कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वह जो भी योजना लेकर आएंगे मैं उसे स्वीकृति दूंगा। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों को भाई दूज की बधाइयां दी। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन का मिशन है की बहनों की आंखों में कभी भी आंसू नहीं रहने दूंगा, खुशियां लेकर आऊंगा, इसीलिए लाडली बहन योजना शुरू की। उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों ने मुझे लाडली बहना योजना का पैसा डालने से बहुत रोका था। चुनाव का समय है मामा चुपचाप पैसे डाल रहा है, मैंने कहा चुपचाप नहीं डंके की चोट पर पैसा डाल रहा हूं। सीएम ने कहा सूची बना लो चुनाव के बाद सभी का नाम योजना में जोड़ूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा, 21 साल की उम्र में यदि लड़कियों की शादी नहीं होगी तो भी पैसे दिए जाएंगे। लाडली बहन योजना के बाद अब मेरी दूसरी योजना लखपति बहन योजना है। स्त्री जाति को किसी के सामने हाथ नहीं फैलाने दूंगा, इतना सक्षम और समर्थ बना दूंगा कि हर साल ?100000 से ज्यादा कमाआएगी। सिलेंडर 450 रुपए में दूंगा। गरीब और निम्न मध्यम वर्गी को सिर्फ ?100 ही बिजली बिल देना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों की अच्छी शिक्षा के लिए हम सीएम राइज स्कूलों का जाल बिछा रहे हैं। मेरा कमिटमेंट है कि प्राइवेट स्कूलों से कई गुना बेहतर सीएम राइस स्कूल बनाकर देंगे।

आरजीपीवी स्टेट बैडमिंटन प्रतियोगिता, मेजबान भोपाल महिला-पुरुष दोनों वर्गों में फाइनल में

भोपाल। राजीव गांधी विश्वविद्यालय के तत्वाधान में एलएनसीटी कॉलेज भोपाल द्वारा एलएनसीटी यूनिवर्सिटी बैडमिंटन कोर्ट पर आयोजित दो दिवसीय आरजीपीवी स्टेट बैडमिंटन प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए मुकाबलों में महिला वर्ग के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में इंदौर ने जबलपुर को 2-0 से, दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भोपाल ने ग्वालियर को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया ।महिला वर्ग क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जबलपुर ने उज्जैन को 2-0 से, भोपाल ने सागर को 2-0 से, ग्वालियर ने रीवा को 2-0 से हरा कर अगले दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में भोपाल ने जबलपुर को 2-0 से, दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में उज्जैन ने ग्वालियर को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जबलपुर ने रीवा को 2-1 से, उज्जैन ने इंदौर को जो 2-0 से, ग्वालियर ने सागर को 2-1 से हारकर अगले दौर में प्रवेश किया। आज सुबह प्रतियोगिता का उदघाटन डा श्वेता चौकसे मैनेजिंग डायरेक्टर द्वारा डा वी एस पंवार, आकाश दुबे,अनिकेत पांडे,वीरेश पाटकर, तनवंत सिंह,महेश सोधिया की उपस्थिति में किया उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं शुभकामनाएं दी ।प्रतियोगिता सचिव पंकज जैन ने बताया कि इस स्टेट लेवल बैडमिंटन प्रतियोगिता में आरजीपीवी विश्वविद्यालय से संबद्ध 7 नोडल के लगभग 80 खिलाड़ियों एवं कोच मैनेजर हिस्सा ले रहे हैं । जिसमें इंदौर नोडल, जबलपुर नोडल, उज्जैन नोडल, रीवा नोडल, ग्वालियर नोडल, सागर नोडल, भोपाल नोडल, के प्रतिभागी शामिल हैं।

यूनीहेल्थ ने वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही में 430 लाख के लाभ की रिपोर्ट दी

मुंबई। वैश्विक हेल्थ केयर सेवा प्रदाता, यूनिहेल्थ कंसल्टेंसी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही के अपने अनआडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है.

वित्त वर्ष 24 की प्रथम छमाही की मुख्य कंसोलिडेटेड वित्तीय विशेषताएं यूनिहेल्थ कंसल्टेंसी के फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, डॉ. अक्षय परमारने कहा, हम सहर्ष हमारी विकास यात्रा में महत्वपूर्ण घटनाक्रमों की घोषणा करते हैं. हम तंजानिया में हमारे मल्टी वर्टिकल विस्तार को सपोर्ट करने के लिए हमारी टीम में वृद्धि कर रहे हैं और नए ऑफिस स्पेस का अधिग्रहण कर रहे हैं हम दार -एस -सलाम में मैनेजमेंट या डायलिसिस सेंटर और पॉलीक्लिनिक का अधिग्रहण करने की संभावना की छानबीन कर रहे हैं. यह कदम इस क्षेत्र में हमारी उपस्थिति उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगा.

एयर तंजानिया और म्यांमार एयरवेज इंटरनेशनल के साथ यूनिक मेडिकल ट्रैवल प्रोग्राम्स लॉन्च करने, हमारा बाजार हिस्सा बढ़ाने के बारे में विचार- विमर्श कर रहे हैं. हमारे निदेशक मंडल ने यूनिहेल्थ फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड को कर्ज देने की मंजूरी दे दी है, जिससे युगांडा और नाइजीरिया में प्रोडक्ट वितरण में सहजता होगी.

सफल आईपीओ फंडिंग और उद्योग के सकारात्मक रुझान से हम मुख्य भौगोलिक क्षेत्रों में प्रोएक्टिव रूप से विस्तार कर रहे हैं, हमारे सर्विस पोर्टफोलियो को बढ़ा रहे हैं और सभी बिजनेस वर्टिकल्स में ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए हमारे संगठन के अंदर भावी लीडर तैयार कर रहे है.

दैनिक **सांध्य प्रकाश**

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 104/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

आरएन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 16 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

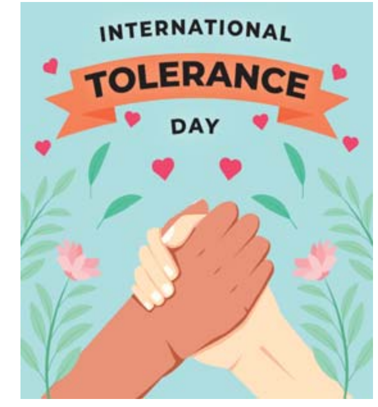

दिल्ली जमीन घोटाला: केजरीवाल सरकार ने सीबीआई को भेजा मामला

मुख्य सचिव पर बेटे को 850 करोड़ लाभ पहुंचाने का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने द्वारका एक्सप्रेसवे परियोजना में भूमि अधिग्रहण घोटाले का मामला सीबीआई को भेजा है। मुख्य सचिव नरेश कुमार पर भूमि के मूल्यांकन में 22 गुना मूल्य बढ़ाने का आरोप लगा है, जिससे उनके बेटे करण चौहान से जुड़ी कंपनी को लाभ हो। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को बामनोली भूमि अधिग्रहण मामले से जुड़ी जांच रिपोर्ट उपराज्यपाल वीके सक्सेना को भेजी थी।

विजिलेंस मंत्री आतिशी ने मुख्यमंत्री को यह रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें बामनोली गांव में 19 एकड़ जमीन के अधिग्रहण में कथित भ्रष्टाचार के लिए नरेश कुमार को पद से हटाने की सिफारिश की गई। जिसके बाद अब दिल्ली सरकार ने रिपोर्ट सीबीआई को भेजी है। दिल्ली मंत्री ने 650 पन्नों की रिपोर्ट केजरीवाल को सौंपी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले में 850 करोड़ रुपये का नाजायज फायदा पहुंचाया गया है। यह जमीन 2015 में द्वारका एक्सप्रेसवे के पास केवल 75 लाख रुपये में खरीदी गई थी। हालांकि, इस मामले में मुख्य सचिव कार्यालय ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। कार्यालय का कहना है कि कुछ दिनों पहले ही मंडलायुक्त ने स्पष्ट कर दिया था कि इस मामले में दोषी कौन है। साथ ही, जांच की बात भी की थी। आतिशी की रिपोर्ट एक शिकायत की जांच का नतीजा है जिसमें आरोप लगाया गया था कि मुख्य सचिव के बेटे को एक ऐसे व्यक्ति ने नौकरी पर रखा था जो बामनोली में लाभान्वित भूस्वामियों का रिश्तेदार था।

उत्तरकाशी टनल हादसा: 104 घंटे से फंसे 40 मजदूरों का अमेरिकी ड्रिल मशीन से रेस्क्यू दोबारा शुरू

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सिल्क्यारा टनल में 104 घंटे यानी 4 दिन से 40 मजदूर फंसे हैं। इन्हें निकालने की हर कोशिश अब तक नाकामयाब रही है। गुरुवार सुबह नए सिरे से अमेरिकन ऑगर्स मशीन को इंस्टाल कर रेस्क्यू शुरू किया गया है। हैवी ऑगर मशीन को सेना के हरक्यूलिस विमान से दिल्ली से उत्तराखंड लाया गया है।

एनएचआईडीसीएल के डायरेक्टर अंशू मनीष खलखो ने बताया, 25 टन की हैवी ऑगर मशीन प्रति घंटे पांच से छह मीटर तक ड्रिल करती है। अगर, ये काम करती है तो अगले 10 से 15 घंटे में इन्हें रेस्क्यू किया जा सकता है। हालांकि, यह अंदर की परिस्थितियों पर भी डिपेंड करेगा।

हादसा 12 नवंबर की सुबह 4 बजे हुआ था। टनल के एंट्री पॉइंट से 200 मीटर दूर मिट्टी धंसी। मजदूर अंदर फंस गए। मलबा 70 मीटर तक फैला गया। ये मजदूर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के हैं।

उत्तरप्रदेश के इटावा में वैशाली एक्सप्रेस में लगी आग, 19 यात्री घायल

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा में बुधवार देर रात वैशाली एक्सप्रेस के एक कोच में आग लग गई। हादसे में 19 यात्री घायल हुए हैं। इनमें 11 की हालत गंभीर है। हादसा रात 2.30 बजे हुआ। उस वक्त ज्यादातर यात्री सो रहे थे। कोच में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। भगदड़ के बीच यात्रियों ने ट्रेन से कूदकर जान बचाई। ट्रेन दिल्ली से बिहार के सहरसा जा रही थी।

इटावा में 12 घंटे से कम वक्त में ट्रेन में आग लगने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले बुधवार शाम 6 बजे नई दिल्ली-दरभंगा एक्सप्रेस (02570) के स्लीपर कोच स-1 में आग लगी थी। यह हादसा सराय भूपत रेलवे स्टेशन के पास हुआ था। दोनों स्टेशनों के बीच की दूरी 6-7 किमी है। आग कैसे लगी यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। वैशाली एक्सप्रेस (12554) के स्लीपर कोच स-6 में लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इटावा में फ्रेंड्स कॉलोनी रेलवे फाटक के पास यात्रियों ने बाथरूम के पास से धुआं उठता देखा। कुछ ही देर में पूरी बोगी में धुआं भर गया। कोई कुछ समझ ही नहीं पाया कि क्या हुआ। कोच में अफरा-तफरी मच गई। यात्री नींद से जागे तो उनका दम घुटने लगा। भगदड़ के कारण लोग बेहोश होकर गिरने लगे। जब ट्रेन में आग लगी, उस समय इटावा स्टेशन नजदीक था। ट्रेन की स्पीड भी करीब 25 किलोमीटर प्रति घंटे रही होगी। लोगों ने सूचना दी।

बच्चों के साथ मस्ती करते दिखे मोदी माथे पर सिक्का चिपका कर दिखाया जादू

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है, जिसे खूब पसंद किया जा रहा है। दरअसल, वीडियो में पीएम बच्चों के साथ शरारत करते नजर आ रहे हैं। वैसे सभी को ही पता है कि मोदी को बच्चों से अलग लगाव है। आए दिन वह बच्चों के साथ मस्ती करते या उन्हें बढ़ावा देते नजर आते हैं। हालांकि, इस बार उनका अंदाज पहले से काफी अलग रहा। पहले वो बच्चों का आपस में सिर लड़ाते हुए दिखे। फिर एक रुपये के सिक्के से बच्चों से मस्ती करते दिखे।

पहली बार नहीं...- यह पहली बार नहीं है, जब पीएम मोदी ने बच्चों को अपना समय दिया हो। वह पहले भी कई बार बच्चों के साथ शरारत और मस्ती करते देखे गए हैं। इसी साल राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तीन साल पूरे होने के अवसर पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम के उद्घाटन कार्यक्रम में पीएम मोदी बच्चों से मिले थे। बच्चों के साथ तस्वीर को ट्विटर पर साझा करते हुए पीएम मोदी ने लिखा था कि मासूम बच्चों के साथ आनंद के कुछ पल ! इनकी ऊर्जा और उत्साह से मन उमंग से भर जाता है।

बच्चों के साथ बिताए पल

पीएम मोदी ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा है कि बच्चों के साथ बिताए कुछ यादगार पल।

पीएम मोदी ने एक परिवार से मुलाकात की

दरअसल, प्रधानमंत्री आवास पर पीएम मोदी ने एक परिवार से मुलाकात की थी। परिवार के दो बच्चे भी पीएम से मिलने पहुंचे थे। पीएम ने बच्चों के साथ खूब मस्ती की। यहां उन्होंने पहले दोनों बच्चों को कान पकड़ कर हिलाया। इसके बाद एक सिक्के को सिर पर चिपका कर बच्चों को एक ट्रिक दिखाई, जिसे बच्चे जादू समझ रहे थे। इसके बाद पीएम ने बच्चों से भी ये करतब कराया। सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के इस वीडियो को लोग जमकर लाइक कर रहे हैं। खबर लिखे जाने तक इस वीडियो पर लाखों व्यूज और हजारों लाइक्स आ चुके थे।

मतदान केंद्रों के लिए पोलिंग पार्टियों की रवानगी शुरू

भोपाल। जीपीएस से हर वाहन की निगरानी होगी, दो दिन तक थोक एसएमएस पर रोक भोपाल। प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार बुधवार शाम 6 बजे थम गया। गुरुवार को मतदान दल 64,523 पोलिंग बूथों के लिए रवाना हो रहे हैं। भोपाल में लाल परेड मैदान में ईवीएम वितरण किया जा रहा है। मतदान दलों के वाहनों को ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम से कनेक्ट किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय हर जिले की पोलिंग पार्टियों के मूवमेंट पर नजर रखेगा। शुक्रवार सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू होगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में टीम तैनात की गई है, जो हर जिले से मतदान दलों के रवाना होने की रिपोर्ट लेगी। सीईओ अनुपम राजन ने बताया कि मतदान केंद्रों में जरूरी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। 38 हजार से अधिक मतदान केंद्रों की सीसीटीवी और वेब कास्टिंग से निगरानी की जाएगी। जीपीएस से हर वाहन की लोकेशन मिलती रहेगी। माइक्रो ऑब्जर्वर, पीठासीन व सेक्टर अधिकारियों की टीमों को अलर्ट रहने और चुनाव के दौरान संदिग्ध गतिविधियों से दूर रहने के लिए कहा गया है। चुनाव आयोग ने प्रदेश में मोबाइल, कम्प्यूटर और अन्य संसाधनों से किए जाने वाले बल्क एसएमएस को बैन कर दिया है। इसके चलते दो दिन तक सामान्य एसएमएस ही किए जा सकेंगे।

सुरक्षा के प्रबंधन में सामूहिक पहल

मतदान की सुरक्षा में सुधार करते हुए पुलिस ने केंद्रीय सुरक्षा बलों की सहायता से शहर में 2049 मतदान स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था की है। साथ ही, दो महिला बटालियन और तीन हजार जिला पुलिस जवानों को तैनात किया गया है।

तनावपूर्ण घटनाओं की तगड़ा नियंत्रण

चुनावी माहौल में बढ़ते तनाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला। इसके साथ ही, अवैध शराब की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं दूसरी तरफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के चलते मध्यप्रदेश नगर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की है।

सीआरपीएफ की 18 कंपनियों ने संभाला मोर्चा

राजधानी में आगामी विधानसभा चुनावों के मतदान के दिन पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने भारी संख्या में अपनी तैनाती बढ़ा दी है। नगरीय से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लगभग 5,000 जवानों की तैनाती हो चुकी है। सुरक्षा बलों ने शहर में धरपकड़ों को तेज करने के साथ-साथ 24 घंटों में सौ बदमाशों को हिरासत में लिया है।

तेलंगाना में चुनाव से पहले बीआरएस विधायक के घर आयकर के छापे

हैदराबाद। तेलंगाना में चुनाव से पहले आयकर विभाग ने गुरुवार को भारतीय राष्ट्रीय समिति (बीआरएस) पार्टी से विधायक नल्लामोथू भास्कर राव के घर और दफ्तर परिसरों में छापे मारे हैं। बताया गया है कि यह छापेमारी उनके कुछ करीबियों के ठिकानों पर भी की जा रही है। बता दें कि भास्कर राव मिरयालगुड़ा से विधायक हैं। साथ ही इस बार भी वे बीआरएस के टिकट पर चुनाव में उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं।

नल्लामोथु भास्कर राव मूल रूप से नालगोंडा जिले के निदामनून मंडल के शकपुरम गांव के रहने वाले हैं। वे 2014 में मिरयालगुड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। 2018 में उन्हें फिर से इसी क्षेत्र से विधायक बनने का मौका मिला। राव 1969 में अलग तेलंगाना राज्य के लिए आंदोलन से जुड़ने वाले पहले नेताओं में शामिल हैं। उस दौरान वे एसआर-बीजीएनआर कॉलेज में छात्र संघ के सचिव भी रहे थे।

राजस्थान भाजपा का संकल्प पत्र जारी

राज्य में जल जीवन मिशन जेल भरो मिशन बना: जेपी नड्डा

जयपुर। राजस्थान में चुनावी घमासान के बीच बीजेपी ने आज अपना घोषणा पत्र जारी किया। बता दें कि बीजेपी घोषणा पत्र को संकल्प पत्र कहती है। बीजेपी ने राजस्थान के लिए अपना घोषणा पत्र जारी किया है। बीजेपी राजस्थान में भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, कानून व्यवस्था, कन्हैया लाल जैसे मुद्दों को लेकर गहलोत सरकार पर हमलावर है।

जेपी नड्डा ने कहा, अन्य पार्टियों के लिए घोषणा पत्र महज औपचारिकता है, लेकिन बीजेपी के लिए यह विकास का रोड मैप है। हम इसमें लिखे शब्दों को पूरा करने के लिए कटिबद्ध हैं। हमारा इतिहास है, हमने जो कहा है वो किया है। जो नहीं कहा है, वो भी किया है। नड्डा ने कहा, राजस्थान में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार, महिला अत्याचार, किसानों का तिरस्कार और पेपरलीक ने यहां रिकॉर्ड तोड़ा। गरीबों के साथ अत्याचार हुआ, योजनाओं के घोटालों में भी पीछे नहीं रहे।

मुख्यमंत्री गहलोत के परिवार का 11 हजार करोड़ का कांट्रेक्ट मिला है, जल जीवन मिशन में घोटाला हुआ। बलात्कार में राजस्थान नंबर एक है। भ्रष्टाचार के नए-नए आयाम राजस्थान में देखने को मिले। राजस्थान जैसी शांत जगह पर सिर तन से जुड़ा होने वाला घटनाक्रम भी देखने को मिला। केंद्र की विभिन्न योजनाओं ने महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया। किसानों का बीजेपी ने ध्यान रखा, युवाओं को सरकारी नौकरी दी, गरीबों को मुफ्त अन्न, कांग्रेस की गहलोत सरकार ने भाजपा के कार्यों को रुकावट करने का किया काम किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, मंत्री प्रहलाद जोशी, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित मंच पर कई नेता मौजूद रहे।

तीन बातों पर आधारित है संकल्प पत्र

- सबका साथ सबका विकास
- गरीब, दलित का ध्यान रखना
- इन्फ्रॉस्ट्रक्चर विकसित करना

चुनावी खर्च की बाजीगरी, 40 लाख की लिमिट लेकिन खर्च अनलिमिटेड, विधायकी पाने दो से तीन करोड़ का हवन

भोपाल। चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चुनाव खर्च की सीमा 28 लाख से बढ़ाकर 40 लाख कर दी। लेकिन क्या उम्मीदवार 40 लाख में चुनाव लड़ कर विधायक बन जाएंगे। सवाल बहुत सरल है लेकिन जवाब थोड़ा कठिन। इन दिनों मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मचे सियासी घमासान और वर्चस्व की लड़ाई में जिस तरह से राजनीतिक दल और उम्मीदवारों की जीत की जंग चल रही है, उससे बहुत साफ नजर आता है कि विधायकी के चुनाव में चार से पांच गुना तक खर्च होगा। यानी एक उम्मीदवार विधायकी के लिए दो से तीन करोड़ रुपए खर्च करेगा। इस खर्च को छिपाने के लिए उम्मीदवारों को कई तरह की बाजीगरी करनी पड़ती है। आइए ये पड़ताल करते हैं कि आखिर किस-किस तरह से उम्मीदवार अपने बेहिसाब खर्च का हिसाब बनाते हैं।

इस खर्च की असलियत कुछ और...- गाड़ियों का लाव लश्कर, कार्यकर्ताओं का हुजूम, स्टार प्रचारकों की सभाएं, गांव-गांव में चुनाव प्रचार। इन दिनों सियासत के यही नजारे हैं। अब मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार थम गया है। लेकिन पिछले एक महीने से ज्यादा वक्त से चुनावी राज्यों में यही चल रहा है। एक महीने तक चला इतना तामझाम क्या 40 लाख की लिमिट के अंदर हो रहा है। शायद नहीं। इस बेहिसाब खर्च का हिसाब तो 40 लाख के अंदर ही बनाया जाएगा लेकिन असलियत कुछ और है। इस घोषित व्यय के अलावा समर्थकों द्वारा किए जाने वाले प्रचार-प्रसार सहित अन्य कार्यों पर जो खर्च होता है, उसका आधिकारिक हिसाब-किताब नहीं होता है। यह खर्च भी प्रत्याशी ही दबे-छुपे करता है। चुनाव के समय शराब और नकदी बांटने की शिकायतें सामने आती हैं। जानकारों के अनुमान के मुताबिक एक चुनाव पर करीब दो से तीन करोड़ रुपए खर्च होते हैं। यहां पर उम्मीदवार की बाजीगरी चलती है। आइए आपको बताते हैं कि किस तरह इस बेतहाशा चुनावी खर्च को लिमिट के दायरे के अंदर दिखाया जाता है। इसमें किस तरह की ट्रिक का इस्तेमाल नेता करते हैं जिससे दाग भी मिट जाएं और किसी को पता भी न चले।

बेहिसाब खर्च का चुनावी हिसाब-किताब

वाहन- चुनाव आचार संहिता के हिसाब से जो वाहन उम्मीदवार इस्तेमाल करेगा उसकी अनुमति चुनाव आयोग से लेनी पड़ती है। उम्मीदवार सीमित संख्या में अपने लिए, चुनावी एजेंटों के नाम पर वाहन की अनुमति लेते हैं। उनकी गाडियों पर अनुमति पत्र लगा होता है और उनके झंडे भी लहरा रहे होते हैं। लेकिन उनके साथ जो काफिला चलता है उन पर प्रेस लिख दिया जाता है, कुछ सामाजिक संगठनों के नाम पर चलती हैं। इनमें डीजल भले ही गोपनीय तरीके से उम्मीदवार भरवाता हो लेकिन ये उसके चुनाव खर्च में जुड़ने से बच जाती हैं।

भंडारा या भोजन- चुनाव में लगे उम्मीदवार या पार्टी के कार्यकर्ताओं का खर्च चुनाव लड़ने वाला नेता ही उठाता है। कार्यकर्ताओं के भोजना,चाय,नाश्ते और ठहरने के इंतमाज में बेहद सतर्कता बरती जाती है। अलग-अलग सामाजिक संस्थाओं के नाम पर भंडारा चलाया जाता है। उसका पैसा भले ही उम्मीदवार देता हो लेकिन उन पर नाम अन्य संगठनों का होता है जो उसके चुनाव खर्च में नहीं जुड़ता। आयोग को दिए जाने वाले बिल में आयोग की रेट लिस्ट के हिसाब से ही सामग्री लिखी होती है लेकिन वास्तविकता में उसका खर्च अलग होता है।

डमी प्रत्याशी उतारना- उम्मीदवार अपने खर्च का मैनेजमेंट करने के लिए डमी उम्मीदवार अपनी तरफ से उतार देते हैं। डमी उम्मीदवारों की संख्या एक या एक से ज्यादा भी होती है। ये निर्दलीय उम्मीदवार उस नेता के लिए ही काम करतें हैं जिसने उसका फॉर्म भरवाया है। चालीस लाख के हिसाब से खर्च उन निर्दलीय उम्मीदवारों के के खाते में डाल दिया जाता है।

पार्टी के नाम पर खर्च- उम्मीदवार के लिए 40 लाख की लिमिट है लेकिन राजनीतिक दल के लिए कोई लिमिट नहीं है। यही कारण है कि उम्मीदवार रैली,स्टार प्रचारकों की सभाएं पार्टी के खाते में डाल देता है। हालांकि इस तरह की सभाओं का खर्च चुनाव आयोग तय करता है और उस जिले के उम्मीदवारों के हिस्से में जोड़ा जाता है।

उम्मीदवार का अलग खाता- चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार उम्मीदवार का चुनाव खर्च के लिए अलग से खाता होता है। इस खाते से ही सारे खर्च किए जाते हैं। औपचारिक तौर पर उम्मीदवार इसी से लिमिट के अंदर खर्च करता है। बाकी अनौपचारिक तौर पर अलग फंडिंग से खर्च होते हैं। दस हजार से उपर की राशि चेक से ही दी जाती है। वहीं चुनाव खर्च लिखने के लिए रजिस्टर या डायरी भी रखी जाती है।

10 रुपए के नोट की नई गड्डी का इस्तेमाल - आमतौर पर पैसे बांटने, साडियां देने, सामग्री उपलब्ध कराने से लेकर शराब बांटने तक के मामले सामने आते हैं। इन पर ही उम्मीदवार का सबसे ज्यादा खर्च होता है। सूत्रों की मानें तो इन पर 50 लाख रुपए से ज्यादा का खर्च आता है। लेकिन इसके लिए उम्मीदवार नई ट्रिक अपनाने लगे हैं। अब शराब या अन्य खाद्य सामग्री के लिए पर्ची नहीं बल्कि दस का नोट दिया जाता है। दस के नोट की सीरीज के नंबर पहले ही दुकानदार को बता दिए जाते हैं। कोई व्यक्ति उस सीरीज का नोट ले जाता है और उसे निर्धारित सामग्री मिल जाती है।

जनता के प्रलोभन पर करोड़ों का खर्च

चुनाव आयोग भले ही लाख चौकसी बरते लेकिन व्यवहारिक तौर पर ऐसा कोई सिस्टम तैयार नहीं हुआ है जो अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगा सके। जनता को अपने पक्ष में प्रलोभन देने के लिए कई तरह के तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। इनमें शराब, साड़ी या अन्य सामान बांटना तक शामिल है। वहीं चुनाव आचार संहिता के पहले जो उम्मीदवार घोषित हो जाते हैं उनका चुनाव प्रचार का खर्च की गणना नहीं की जाती।

चुनाव के लिए 350 करोड़ का बजट

इस बात को सभी मानते हैं और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण करने के दावे भी किए जाते हैं। लेकिन हकीकत यही है कि शराब भी बंटती है और नकदी भी। अन्य प्रलोभन भी दिए जाते हैं। यही कारण है कि चुनाव खर्च कई करोड़ में होता है। अनुमान है कि औसत दो से तीन करोड़ रुपए तक एक विधानसभा क्षेत्र में खर्च होंगे। पूरे चुनाव में लगभग दो हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। उधर, सरकार ने चुनाव में होने वाले व्यवस्था व्यय के लिए 350 करोड़ रुपये का बजट रखा है। चुनाव आयोग के नियमानुसार यदि किसी उम्मीदवार ने तय सीमा से अधिक खर्च दिखाया तो वह लोक प्रतिनिधत्व अधिनियम के तहत तीन साल तक के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है। यदि किसी उम्मीदवार ने चुनाव खर्च दाखिल नहीं किया तो वो भी तीन साल तक के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है। वहीं यदि कोई शिकायतकर्ता यह साबित कर दे कि उम्मीदवार ने ज्यादा खर्च किया है और दिखाया कम है तो उम्मीदवार के खिलाफ याचिका दायर की जा सकती है।

स म्पा द की य

अब बारी है मत दान की

सर्दी के बढ़ते अहसास के साथ मध्यप्रदेश में चुनाव प्रचार कल शाम थम गया। यहां सही मायने में प्रचार कुल सैंतीस दिन चला और इन सैंतीस दिनों में जनता ने इतने रंग देख डाले कि अब पांच साल तक इसके लिए इंतजार कर सकती है। हालांकि पिछली बार ऐसा नहीं हुआ था। डेढ़ साल बाद ही बदलते रंगों की राजनीति देखी और काफी कुछ भुगता भी। जी हां, भुगतना तो जनता को ही पड़ता है, करे कोई भी।

फिलहाल खत्म हुए चुनावी शोर की बात करते हैं। तो इस चुनाव में कमर के ऊपर से लेकर नीचे तक प्रहारों का दौर चला, हर बार से कुछ ज्यादा। पुरानी उपाधि बंटाढार रिपीट हुई तो कुर्ता फाड़ आ गया। भ्रष्टाचार और जातिगत जनगणना के मुद्दे हावी होते दिखे। सत्ता पर काबिज भाजपा ने तीन परिवार- गांधी, दिग्विजय और कमलनाथ परिवार पर फोकस किया। बीच में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे के कथित वायरल वीडियो को कांग्रेस ने बड़े हथियार के रूप में उपयोग किया। चुनावी बातों में महाभारत के पात्रों- पांडव, कौरव, धृतराष्ट्र के सहारे बड़ी-बड़ी बातें कही गईं। कांग्रेस के तीनों नेताओं ने भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाकर भाजपा को घेरा। राहुल गांधी का ओबीसी आरक्षण और जातिगत जनगणना पर ज्यादा जोर रहा। ओबीसी वर्ग राज्य की आबादी का लगभग 49 प्रतिशत है। उन्होंने अपने भाषणों में व्यापमं और मिड-डे मील घोटाले का भी जिक्र किया।

भाजपा के तीन बड़े स्टार प्रचारक नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा ने 50 सभाएं कीं। मोदी ने आदिवासी बहुल जिलों में ज्यादा फोकस किया है। वजह- पिछले चुनाव में इस वर्ग के लिए आरक्षित 47 सीटों में से भाजपा के खाते में सिर्फ 17 सीटें आई थीं। कांग्रेस के स्टार कैंपेनर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने 24 जनसभाओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने दलित, आदिवासी और ओबीसी को साधने की कोशिश की। पंच लाइन दी- एमपी के मन मे मोदी, मोदी के मन में एमपी। इस दौरान वे राहुल गांधी पर हमलावर रहे, लेकिन उन्होंने किसी भी सभा में राहुल का नाम नहीं लिया, इशारों में मूर्खों के सरदार और महाज्ञानी तक कहा। शाह के भाषणों से लगा कि अगले आम चुनाव में बीजेपी का मुख्य एजेंडा अयोध्या में राम मंदिर निर्माण ही होने जा रहा है, जबकि नड्डा ने 15 महीने की कमलनाथ सरकार के कार्यकाल को टारगेट किया।

अमित शाह अपनी सभाओं में मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाने के साथ ही कमलनाथ पर हमलावर रहे। शाह ने कहा- खतरनाक आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध लगाकर मोदी जी ने देश में आतंकवाद के उभरने की सभी संभावनाओं को खत्म कर दिया है। शाह ने कमलनाथ पर निशाना साधते हुए करोड़ों रुपए के कई घोटालों से जुड़ा बताते हुए कह डाला कि वह मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं। वरिष्ठ नेता कमलनाथ और दिग्विजय सिंह एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने पर आमादा हैं। कमलनाथ का एक वीडियो प्रसारित हुआ था। जिसमें उन्होंने मध्यप्रदेश में चुनाव टिकट न दिए जाने से नाराज प्रदर्शनकारियों से कथित तौर पर 'जाओ और दिग्विजय के कपड़े फाड़ो' कहा था।

लोकसभा चुनाव में एमपी में इकलौती सीट छिंदवाड़ा थी, जिसे बीजेपी छीन नहीं पाई थी। विधानसभा चुनाव में छिंदवाड़ा और उसके नाथ बीजेपी के निशाने पर रहे। गृहमंत्री अमित शाह ने 28 अक्टूबर को चुनावी बिगुल यहीं से फूंका था। तब से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक बीजेपी के स्टार प्रचारकों के निशाने पर कमलनाथ रहे।

वहीं कांग्रेस ने सीधी पेशाब कांड के बहाने बीजेपी को आदिवासी विरोधी बताया। राहुल ने 2020 में कमलनाथ सरकार गिराने की बात लगभग हर भाषण में कही। प्रियंका गांधी शिवराज सरकार पर ज्यादा हमलावार रहीं। जबकि मल्लिकार्जुन खड़गे ने ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करने के आरोप लगाकर भाजपा को घेरा। कांग्रेस का कैंपेन उन सीटों पर केंद्रित रहा जहां नए चेहरे हैं। बीजेपी के बड़े चेहरों को कम निशाना बनाया। जबकि दूसरी तरफ भाजपा ने कांग्रेस के बड़े चेहरों को रडार पर रखा। कमलनाथ, दिग्विजय के गढ़ में सभाएं कीं, तो दूसरी ओर अपने बड़े चेहरे जैसे कैलाश विजयवर्गीय, नरेंद्र सिंह तोमर, राकेश सिंह, रीति पाठक और गणेश सिंह के क्षेत्र में सभाएं, रैलियों के साथ रोड शो भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक मात्र रोड शो के लिए इंदौर को चुना, जिसमें उन्होंने मुख्य रूप से इंदौर-1 विधानसभा क्षेत्र में लगभग डेढ़ किमी की यात्रा की। ये वो सीट है, जहां बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और कांग्रेस के मौजूदा विधायक संजय शुक्ला के बीच बहुत कड़ी टक्कर है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी यहां रोड शो किया। इसी तरह दूसरी हॉट सीट जबलपुर पश्चिम में राहुल गांधी ने रोड शो किया तो दो दिन बाद अमित शाह ने सभा और रोड शो किया। राहुल गांधी द्वारा भोपाल में किए गए रोड शो की चर्चा राजनीतिक गलियारों से लेकर आमजन के बीच तक रही।

कुल मिलाकर चुनावी शोर खत्म हुआ और अब आखिरी खंदक की जंग में सभी जुट गए हैं। मतदान केंद्रों की रणनीति में कौन हावी रहता है, यह कल पता चल जाएगा। लेकिन नतीजे आने तक दिलों की धड़कनें घटती-बढ़ती रहेंगी। तब तक चर्चाओं और बहसों का दौर निर्बाध चलता रहेगा। मतदान का प्रतिशत कुछ संकेत अवश्य दे सकता है, लेकिन उससे सही अनुमान लगाना अब कठिन ही होता जा रहा है। मिलते हैं मत दान पर।

खिसियाए लोग और ये चौथा खंभा

जयराम शुक्ल

संविधान के प्रावधानों से इतर लोकमानस में चौथे स्तंभ के तौरपर स्थापित प्रेस आज भी अन्य स्तंभों से ज्यादा विश्वसनीय, सहज और सुलभ है। समस्याओं से घिरा आम आदमी सबसे पहले अखबार के दफ्तर में जाकर फरियाद करता है। थाने, दफ्तरों और भी सरकरी गैर सरकारी जगहों में जब वह दुरदुराया जाता है तो उसका आखिरी ठिकाना भी प्रेस का ही दफ्तर होता है। यह छपे हुए शब्दों की ताकत है जो प्रेस को तमाम लानतों मलानतों के बावजूद प्रभावी बनाए हुए है।

बहुत सी धारणाओं की स्थापना लोकमानस के जरिये होती है। जैसे प्रेस का मतलब आज भी अखबार और पत्रिकाएं हैं न कि टीवी चैनल और बेव पोर्टल। इसलिए प्रेस के समानांतर 'मीडिया' के नाम को चलाने के जतन शुरू हुए लेकिन प्रेस शब्द का रसूख कायम है। इस शब्द को अभी भी ऐसा उच्च सम्मान प्राप्त है कि अपराधी भी प्राय: इसे ढाल की तरह इस्तेमाल करने लगते हैं। कमाल की बात है कि जिस .प्रेस. शब्द को भारतीय संविधान ने अपने पन्नों में भी जगह नहीं दी उसे लोकमानस ने आगे बढ़कर सिरोधार्य किया।

अस्सी के दशक के शुरुआती वर्षों में जब टेलीविजन आया तो लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया कि अखबारों के दिन गए। प्रेस के भविष्य पर गंभीर चर्चाएं शुरू हुईं। लेकिन टीवी का आना फायदे का ही साबित हुआ। अखबार ज्यादा सतर्क हुए। रंगीन होने का दौर शुरू हुआ। लेआउट्स और प्रोडक्शन की दृष्टि से क्रांतिकारी परिवर्तन हुए। बड़े घरानों से लेकर मध्यम दर्जे तक के अखबार प्रतिष्ठानों में आर एंड डी(रिसर्च एन्ड डवलपमेंट) के विभाग खुले।

अस्सी के दशक को आप प्रेस का सुनहरा दौर कह सकते हैं। खुफिया कैमरे, और बटन रिकार्डर नहीं थे फिर भी एक के बाद एक सनसनीखेज खोजी रिपोर्ट्स आईं जिनकी नजीर आज भी दी जाती है। अंतुले सीमेंट घोटाला कांड का परदाफाश हुआ, इसके बाद खोजी खबरों की झड़ी सी लग गई। सबसे बड़ा धमाका 86-87 में बोफोर्स का हुआ।

रविवार, दिनमान,माया, इलुस्ट्रेटेड वीकली, साप्ताहिक हिंदुस्तान, धर्मयुग जैसी पत्रिकाएं दैनिक अखबारों से लोहा लेने लगी। अखबार और पत्रिकाओं में आगे निकलने की कड़ी स्पर्धा शुरू हुई। इस दशक में रिकॉर्ड तोड़ पाठक बढ़े और उसी हिसाब से नए अखबार और जमे-जमाए अखबारों के संस्करण। दूरदर्शन काला-सफेद से रंगीन हुआ। दर्शक जीवंत खबरें देखने लगे। टीवी अखबारों के लिए कैटलिस्ट साबित हुआ। पढ़ने की भूख जगी। यह

प्रेस पर पाठकों की कृपा है, ये इज्जत, शोहरत, ताकत लोक की वजह से है सरकार की वजह से नहीं, यह बात अच्छे से समझ लेना चाहिए।

छपे हुए शब्द आज भी सबसे ज्यादा विश्वसनीय और खरे हैं। हाल ही की एक सर्वे रिपोर्ट बताती है कि पाठकों का भरोसा मुद्रित माध्यमों के प्रति और बढा है। 1990 के बाद निजी क्षेत्र के चैनल आए। खबरों की बड़ी.स्पर्धा शुरू हुई। विदेशी चैनलों के लिए भी दरवाजे खोल दिए गए। एक बार फिर इस जनसंचार क्रांति से ऐसा लगा कि अखबार और पत्रिकाओं का भट्ठा बैठ जाएगा। कुछ शुरुआती असर दिखा भी लेकिन लोकमानस में चैनल्स खबरों को लेकर अपनी छाप नहीं छोड़ पाए, जबकि ये ऐसे माध्यम हैं कि खबरें जीवंत दिखती हैं।

सर्वे ये बताते हैं कि चैनल्स अखबारों के हित में ही रहे। खबरों की भूख बढ़ाने का काम किया अखबार और भी गंभीरता से पढ़े जाने लगे। प्रसार के हर साल जारी होने वाले आँकड़े बताते हैं कि अखबारों के प्रसार का दायरा दिनोदिन बढ़ता ही जा रहा है।

अब आते हैं प्रेस की स्थिति पर। प्रेस की इस महत्ता ने हर क्षेत्र के व्यवसाइयों को अपनी ओर खींचा है। बिल्डर, चिटफंडिये, खदानों और शराब का ठेका चलाने वाले, राजनीति में रसूख जमाने की लालसा रखने वाले नवकुबेर, प्रेस ने सभी को लुभाया।

एक बड़े व्यापारी ने सच्चा किस्सा बताया- मैं एक हजार करोड़ के टर्न ओवर वाला व्यापारी किसी काम से वल्लभभवन गया पीएस से मिलने। चार घंटे बैठे रहने के बाद भी मेरा नंबर नहीं आया जबकि विधिवत् अपाइंटमेंट ले रखा था। कुछ लोग आते सीधे चैम्बर में घुस जाते। मैंने पूछा ये कौन लोग हैं? चपरासी ने बताया कि ये प्रेस वाले हैं। तभी मेरे दिमाग में आया कि क्यों न हम भी प्रेस शुरू कर दें। उक्त व्यवसायी ने अखबार शुरू कर दिया। अच्छे पत्रकारों को नौकरी में रख लिया फिर हुआ यह कि जो कभी चार घंटे पीएस का इंतजार करते बैठा करता था उसके ही दफ्तर उस पीएस के मंत्री और यहां तक कि मुख्यमंत्री भी आने लगे।

ऐसे लोगों के लिए अखबार व्यवसाय का कवच और विजिटिंग कार्ड बन गया। यहीं से एक मुगालता और शुरू हुआ कि ऐसे व्यवसायी जो अखबार के मालिक बन गए, ने सोचा क्यों न अखबार के दम पर उल्टीसीधी फाइलें ओके करवा ली जाएं यानी कि अखबार को कट्टे की तरह इस्तेमाल करने की कोशिशें हुईं। प्रेस को जब आप प्रॉंस बनाएंगे तो प्रेस की आत्मा वहीं शरीर छोड़कर भाग जाएगी। एक मित्र गिनती लगाकर बता रहे थे कि कोई दो दर्जन से ज्यादा ऐसे अखबार और चैनलों के मालिक हैं जो जेल की हवा खा रहे हैं। कईयों के यहां ऐसे छापे पड़े कि वे अबतक सँभल नहीं पा रहे हैं।

कहने का आशय यह कि प्रेस को पेशेवराना अंदाज से ही चलाया जा सकता है इसलिये मीडिया के पुराने घराने ही इस मैंदान में कायम हैं। वे वो हर तिकड़म जानते हैं कि कैसे उनका रसूख भी कायम रहे और मीडिया का धंधा भी चलता रहे। 1966 में प्रेस कौंसिल आफ इंडिया के गठन के बाद अखबारों में काम करने वालों के हित में कई वेजबोर्ड बने। तीस साल से बछावत, बेजबरुआ और मजीठिया का नाम सुन रहे हैं, शायद ही किसी मीडिया घराने ने ईमानदारी से इनकी सिफारिशें लागू की हों। ये सभी बोर्ड सुप्रीम कोर्ट के माननीय जजों की अध्यक्षता में बने। इन दिनों मजीठिया की सिफारिशों को लागू करने पर जोर है।

प्राय: सभी बड़े मीडिया समूहों ने इसका रास्ता निकाल लिया। अपनी ही आउटसोर्स कंपनियां बना लीं और पत्रकारों को नौकरी छोड़ने या आउटसोर्स कंपनी में काम करने का विकल्प रखा। मजबूरी में पत्रकार ने इसे स्वीकार कर लिया। अभी कुछ दिन पहले दिल्ली के एक बड़े मीडिया समूह से निकाले गए एक पत्रकार की लावारिस मौत सुनकर दहल गया। वह न्याय को लेकर लड़ाई लड़ रहा था। व्यवस्था ने साथ नहीं दिया।

आज की तारीख में सबसे कच्ची नौकरी पत्रकारों की है। वे कल किस वक्त निकाल बाहर कर दिए जाएं इसका पता नहीं। अखबारों में दूसरों के शोषण की बात करने वाला खुद कितना शोषित है कि इसका जिक्र तक नहीं कर सकता। बड़े अखबारों में इस बात की घोषित मनाही है कि वह पत्रकारों की यूनियन से नहीं जुड़ेगा। पत्रकारों की यूनियनें बँटी हुई हैं। श्रम कानूनों को सरकारों ने ही बधिया बनाके रखा है। सो पत्रकार जो दुनिया की नजरों में बड़ा क्रांतिकारी है, घुट घुटकर मरता है।

आँचलिक पत्रकारिता की तो और दुर्गति है। पहले अखबार मालिक उन्हें उतनी ही गंभीरता से लेते थे जैसे बस मालिक अपने.कंडक्टर को। अब तो स्थित यह है कि मामूली से वेतन और विग्यापन के भारी टारगेट के आधार पर ब्यूरो खोले जाते हैं और जो बैठता है खुद को चीफ कहवा कर ही साँत्वना दे लेता है। इस प्रक्रिया में अपराधियों का तबीयत से पत्रकारीकरण हो गया है। चैनल्स के क्षेत्रीय संवाददाताओं की स्थिति तो और भी गई गुजरी है। इनके हितों की रक्षा कौन करे? प्रेस कौंसिल.

प्रेस कौंसिल को 1966 में प्रेस के हितों की रक्षा व उन्हें मर्यादित करने के लिए गठित किया गया था। चूँकि 16 नवंबर से उसने काम करना शुरू किया था इसलिए इस दिन को राष्ट्रीय प्रेस दिवस घोषित कर दिया। इसके अध्यक्ष अमूमन सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज होते हैं। इस संस्था को प्रेस का .वाँचडाग.. कहा जाता है। लेकिन इसके रहते ही वो पत्रकार न्याय माँगते हुए बाराखंभा रोड के फुटपाथ में मर गया। यह संस्था कुछ नहीं कर पाई। वह इसलिए कि जिस तरह के अधिकार बार कौंसिल, मेडिकल कौंसिल,टेक्निकल कौंसिल को मिले हैं वैसे अधिकार प्रेस कौंसिल के पास नहीं है।

प्रेस कौंसिल यह भी तय नहीं कर सकता कि किसे पत्रकार कहा जाए किसे नहीं। सबसे बड़ा झगडा यह है कि टीवी और डिजिटल मीडिया को प्रेस क्यों माना जाए..! और माना जाए तो प्रेस कौंसिल ने उसे किस तरह परिभाषित किया है इसपर कभी कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। इसबीच समानांतर मीडिया की भी बात हाशिए से मुखपृष्ठ पर आ गई। फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने वाशिंगटन की जार्जटाउन यूनिवर्सिटी के एक व्याख्यान में कहा कि सोशल मीडिया अब दुनिया का पाँचवाँ स्तंभ है। यह बात भारत के संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है उसकी वजह यह कि यहां अमेरिका की तरह संविधान में प्रेस को परिभाषित नहीं किया गया है। इसलिए अभिव्यक्ति की आजादी का उपभोग हर वह व्यक्ति एक पत्रकार के तौरपर कर सकता है जिसके पास अभिव्यक्ति के तकनीकी माध्यम हैं।

सोशल मीडिया ऐसा ही माध्यम है। हम कह सकते हैं कि आज की तारीख में देश में जितने एँड्रायड फोन धारक हैं और नेट तथा सोशलमीडिया का उपभोग करते हैं वे सबके सब पत्रकार हैं। आप देख भी रहे होंगे कि फेसबुक और व्हाट्सएप में ब्रेकिंग न्यूज़ आ रही हैं। जिनका वास्ता टीवी या अखबारों से नहीं है वे भी अच्छे विश्लेषण पोस्ट कर रहे हैं। उनके पास भी इनवेस्टेगेटिव रिपोर्ट है। कभी-कभी तो मुख्यधारा की मीडिया ही सोशल मीडिया का पिछलग्गू लगता है।

यह ठीक बात है कि सोशलमीडिया ने अखबार वालों की लठैती पर बंदिश लगाई है..या उनके मुकाबले लठ्ठ लेकर खड़े हो गए हैं। सोशलमीडिया के साथ बड़ा खतरा दोधारी तलवार सा है। यदि ये मीडिया के भीतर या समानांतर हैं तो इनको नियंत्रित करने के लिए कोई संस्था नहीं। प्रेस कौंसिल भी नहीं।

प्रेस कौसिल तो ऐसा नखदंत विहीन वाँचडाग है जो सिर्फ भोंक सकता है इससे ज्यादा कुछ नहीं। अखबार मालिकों पर ऐसे भोंकने वालों का कभी असर नहीं पड़ा। हमारे संविधान निर्माताओं ने प्रेस के साथ ज्यादती की है। प्रेस को अभिव्यक्ति का उतना ही अधिकार है जितना कि एक आम नागरिक का। इस तरह हर व्यक्ति पत्रकार है जो अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करता है। भारत में पत्रकार कोई संवैधानिक शब्द नहीं है।

अमेरिका, यूरोप में ऐसी स्थिति नहीं है। वहां प्रेस संविधान के अनुच्छेद में है और उसकी स्वतंत्राता को चुनौती नहीं दी जा सकती। अमेरिकी पत्रकार सैमूरहर्ष ने मोरारजी को सीआईए का एजेंट लिखा। मोरारजी ने इसपर मुकदमा कायम किया। अमेरिकी अदालत ने बर्डन आफ प्रूफ का जिम्मा मोरारजी पर छोड़ दिया। सरकार इंदिरा जी की थी। मोरारजी को सरकार ने ऐसे दस्तावेज नहीं उपलब्ध कराए कि वे खुद को निर्दोष साबित कर सकें। सैमूरहर्ष जानते थे कि मोरारजी पर दोष नहीं निकलेगा। फिर भी मोरारजी कुछ नहीं कर पाए।यह कलंक लिए हुए ही मरे।

हमारे यहां इसकी उलट स्थिति है। क्योंकि पत्रकार की औकात सामान्य नागरिक से ज्यादा कुछ भी नहीं। पत्रकार पर मुकदमा लगता है तो उसे साबित करना होता है कि जो हमने लिखा वो ठीक लिखा। सो प्रेस की आजादी और सुरक्षा की बात करनी है तो संविधान संशोधन कर प्रेस को संविधान के दायरे में लाया जाए। उसका अलग अनुच्छेद बने। और लिखा जाए की प्रेस की स्वतंत्रता को चुनौती नहीं दी जा सकती। वकील,डाक्टर की तरह पत्रकार की न्यूनतम योग्यता तय की जाए। तभी हम भविष्य के प्रेस का कुशल मंगल देख सकते हैं। वरना कितने भी कानून आएं,आयोग और बोर्ड बनें, हर साल राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाएं कुछ होना जाना नहीं है।

किस पायदान पर हैं, हमारे विश्वविद्यालय ?

-राकेश दुबे

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित एक रैंकिंग के अनुसार भारत अब 148 विश्वविद्यालयों के साथ एशिया में 'सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाली उच्च शिक्षा प्रणाली' बन गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 अधिक है, परंतु एशिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की सूची में पहले 10 में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय शामिल नहीं है। इसके बाद 133वें स्थान के साथ चीन और 96वें स्थान के साथ जापान का स्थान है। म्यांमार, कंबोडिया और नेपाल भी पहली बार इस रैंकिंग में शामिल हुए हैं। क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा 2024 विश्वविश्वविद्यालय रैंकिंग एशिया को जारी कर दिया गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-एशिया में भारत में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है और रैंकिंग विश्वविद्यालयों की संख्या में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है।

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में एशिया के कुल 856 विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया है। लेकिन सिर्फ 250 विश्वविद्यालयों की रैंकिंग को ही विभिन्न मानकों की कसौटी पर परखा गया है, बाकियों को एक झुंड की शक्ल में रखा गया है। क्यूएस की वेबसाइट पर पड़ताल की गई तो कई तथ्य देखने को मिले। एशिया के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की सूची में पहले 10 में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय शामिल नहीं है। पहले स्थान पर चीन की पेंकिंग यूनिवर्सिटी, 2. रैंकिंग पर हांगकांग यूनिवर्सिटी, 3. नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, 4. नान्यांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी सिंगापुर, 5.त्सिंघुआ विश्वविद्यालय बीजिंग, 6. ज्हेझियंग यूनिवर्सिटी हांगझाऊ, 7.फुदान यूनिवर्सिटी शंघाई, 8. योंसेई यूनिवर्सिटी सेओल (दक्षिण कोरिया), 9. कोरिया यूनिवर्सिटी सेओल व 10. चायनीज यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग हैं।

इसमें 4 विश्वविद्यालय चीन में हैं, जबकि हांगकांग, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया के 2-2 और सिंगापुर के एक विश्वविद्यालय को शामिल किया गया है। भारत का एक भी शैक्षिणिक संस्थान इस रैंकिंग में पहले 39 स्थान पर नहीं है। 40वें स्थान पर आईआईटी मुंबई को रखा गया है। असल में क्यूएस रैंकिंग ने दक्षिण एशिया की अलग से रैंकिंग जारी की है जिसमें आईआईटी मुंबई को पहला मुकाम हासिल है। आईआईटी मुंबई की वर्ल्ड रैंकिंग 149 है।

भारत का मध्य वर्ग अपने बच्चों को ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया में किसी भी तरह प्रवेश दिलाने की जुगत में लगा दिखाई देता है । देश के विश्वविद्यालय अनेक मुश्किलों से दो-चार हैं। अपर्याप्त संसाधन और सुविधाओं के अतिरिक्त छात्रों को सलाह देने के लिए सीमित संख्या में गुणवत्तापूर्ण संकाय ही उपलब्ध हैं। अधिकांश शोधार्थी फेलोशिप के बिना शोधरत्त हैं या उन्हें समय पर फेलोशिप प्राप्त नहीं हो रही है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उनके शोधकार्य को प्रभावित करता है। इसके अलावा यूजीसी की लघु और वृहद अनुसंधान परियोजना योजनाओं के तहत प्रदत्त अनुदान वित्त वर्ष 2016-17 में 42.7 करोड़ रुपए से घटकर वित्त वर्ष 2020-21 में मात्र 38 लाख रुपए रह गया है। भारत में 1040 से अधिक विश्वविद्यालय हैं, लेकिन 2.7 फीसदी में ही पीएचडी कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है क्योंकि वे वित्तपोषण की कमी और खराब अवसंरचना से ग्रस्त हैं। काफी जगह शैक्षणिक मानकों और प्रक्रियाओं को बहाल नहीं किया जा रहा है।

इसके अलावा विश्वविद्यालयों की वित्तीय समस्या की गंभीरता को समझना होगा। अनेक विश्वविद्यालयों के बुनियादी ढांचे में निवेश घटा है। केंद्रीय स्तर पर वित्त वर्ष 2022-23 में छात्र वित्तीय सहायता को घटाकर 2078 करोड़ रुपए कर दिया गया (वित्त वर्ष 2021-22 में 2482 करोड़ रुपए)। अनुसंधान और नवाचार हेतु आवंटन में 8 फीसदी की कमी आई जो वर्तमान में 218 करोड़ रुपए रह गया है। उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी जो संस्थानों को सभी अवसंरचना ऋणों के लिए धन मुहैया कराती है, के बजट को वित्त वर्ष 2020-21 में 2000 करोड़ रुपए से घटाकर वित्त वर्ष 2021-22 में एक करोड़ रुपए कर दिया गया। कुछ सीमित विकल्पों के साथ विश्वविद्यालयों को ऋण लेने के लिए विवश किया गया है।

इसमाई सुधार जरूरी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को वित्त वर्ष 2021-22 में 4693 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में 4900 करोड़ रुपए आवंटित किए गए, लेकिन नकदी प्रवाह में कमी के कारण डीम्ड/केंद्रीय विश्वविद्यालयों के वेतन भुगतान में देरी हुई। संकाय सदस्यों को वेतन प्राप्त होने में महीनों तक देरी का सामना करना पड़ता है। अधिकांश विश्वविद्यालय घाटे में चल रहे हैं। मद्रास विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपए से अधिक का संचित घाटा झेलना पड़ा, जिससे उसे राज्य सरकार से 88 करोड़ रुपए का अनुदान लेने हेतु विवश होना पड़ा। अन्य राज्यों की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है। उच्च शिक्षा में अधिकतर भर्तियां राज्य विश्वविद्यालयों और उनके संबद्ध कॉलेजों द्वारा की जाती हैं। लेकिन तुलनात्मक रूप से इन राज्य विश्वविद्यालयों को कम अनुदान मिलते हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के बजट का 65 प्रतिशत हिस्सा केंद्रीय विश्वविद्यालयों और उनके कॉलेजों को मिलता है, जबकि राज्य विश्वविद्यालयों और उनके संबद्ध कॉलेजों को शेष 35 प्रतिशत ही प्राप्त होता है। वर्तमान में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में प्रोफेसरों की जिम्मेदारी और प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए कोई तंत्र मौजूद नहीं है। इसकी बजाय विदेशी विश्वविद्यालयों में कॉलेज फैकल्टी के प्रदर्शन का मूल्यांकन उनके सहकर्मियों और विद्यार्थियों द्वारा किया जाता है।

इस संबंध में विद्यार्थियों और सहकर्मियों द्वारा दिए गए फीडबैक के आधार पर प्रोफेसरों के प्रदर्शन के ऑडिट की एक प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त समय-समय पर दूसरे इनपुट्स जैसे रिसर्च पेपर, शिक्षकों के पब्लिकेशंस को भी प्रदर्शन ऑडिट में जोड़ा जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों में शिक्षण के पेशे को अधिक लाभप्रद बनाने के लिए फैकल्टी को कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स चलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और स्टार्टअप्स के लिए वित्तीय सहयोग प्रदान करना चाहिए। विश्वविद्यालयों को ऋण और वित्तीय सहायता के लिए समर्पित वित्तपोषण धारा स्थापित करने के साथ-साथ वित्तपोषण में वृद्धि करने की तत्काल आवश्यकता है। स्टार्टअप रॉयल्टी और विज्ञापन जैसे अन्य राजस्व धाराओं का उपयोग करने के लिए भी विश्वविद्यालयों को छूट दी जानी चाहिए। इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की सख्त जरूरत है।

उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि और सार्वजनिक सूचना

विनय झैलावत

चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश भी दिया था

यह पहली बार नहीं है जब इस तरह के खुलासे को आवश्यक बताया गया हो। इससे पहले भी उत्तर प्रदेश के चुनावों के समय आयोग ने इसी तरह का रुख अपनाते हुए उपरोक्त खुलासे करने के निर्देश दिये थे। उस समय विधानसभा चुनावों में राजनीति के अपराधीकरण को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि वे अपने प्रत्याशियों के आपराधिक रिकॉर्ड का ब्यौरा मीडिया में प्रकाशित करवाएं। इसको लेकर न्यायालय में याचिका प्रस्तुत कर आदेश की अवमानना करने वाले दलों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई थी। इस याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा उच्चतम न्यायालय को यह बताया गया था कि सभी प्रमुख पार्टियों ने 2018 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश का पालन नहीं किया है। सर्वोच्च न्यायालय के एक अभिभाषक बृजेश सिंह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें सोनिया गांधी, अरविंद केजरीवाल और अखिलेश यादव सहित कई पार्टी नेताओं के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई थी।

सर्वोच्च न्यायालय ने अगस्त, 2021 में राजनीतिक दलों को अपनी वेबसाइटों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने उम्मीदवारों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों का विवरण और उन्हें चुनने के कारणों को प्रकाशित व प्रसारित करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी अपेक्षा की थी कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को टिकट न दिए जाए। यह भी कहा गया था कि यह विवरण उम्मीदवार के चयन के 48 घंटे के भीतर या नामांकन दाखिल करने की पहली तारीख से कम से कम दो सप्ताह पहले, जो भी पहले हो, प्रकाशित किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश भी दिया था विवरण फेसबुक और ट्विटर सहित राजनीतिक दलों के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और एक स्थानीय भाषा और एक राष्ट्रीय समाचार पत्र में भी प्रकाशित किया जाना चाहिए। समय ही बतायेगा की इन फैसले एवं नए निर्देशों का पालन कितना और किस तरह से होता है। परन्तु यह जानना खास एवं दिलचस्प होगा कि इन निर्देषों के द्वारा होने वाले आपराधिक खुलासों से जनादेश पर कितना प्रभाव पड़ता है।

राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल एवं उम्मीदवार भी सक्रिय हो चुके हैं। इस बीच निर्वाचन आयोग की और से एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान उम्मीदवारों और संबंधित राजनीतिक दलों को आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी तीन बार अलग-अलग तय समयावधि में समाचार पत्रों में प्रकाशित और टीवी चैनलों में प्रसारित कराना होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार आयोग ने उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में जानकारी देने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इन दिशा निर्देशों के अनुसार राजनीतिक दलों को भी जानकारी देनी होगी। अगर किसी राजनीतिक दल ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को उम्मीदवार बनाया है, तो उन्हें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नये फार्मों के तैयार कर नवीन निर्देश दिये गये हैं। इन नये फार्मों में फॉर्मेट सी-7 भी है। इसमें ऐसे उम्मीदवारों के चयन से 48 घंटे के भीतर यह प्रकाशित करना होगा कि उन्होंने उस व्यक्ति को ही उम्मीदवार क्यों चुना? चुनाव आयोग के अनुसार इस प्रकाशन की जानकारी राजनीतिक दलों को फॉर्मेट सी-8 में 72 घंटे के भीतर निर्वाचन आयोग को भी देना होगी। आपराधिक मामलों के प्रचार-प्रसार के लिये उन्हें फॉर्मेट सी-1 और सी-2 के द्वारा राष्ट्रीय व स्थानीय समाचार पत्रों और टीवी चैनलों में प्रसारित करवाना होगा।

उम्मीदवारों द्वारा भरे गए नामांकन पत्र में यदि खुद के संबंध में कोई आपराधिक दर्ज होने की सूचना दी जाती है, तो अभ्यर्थी एवं संबंधित राजनीतिक दल को सूची के अनुसार जानकारी प्रकाशित व प्रसारित करवानी होगी। आयोग के अनुसार विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों में यदि किसी का आपराधिक रिकॉर्ड है, तो पहला प्रकाशन नामांकन वापसी की अवधि के पहले चार दिनों के भीतर करवाना होगा। दूसरा प्रकाशन अगले पांच से आठ दिनों के बीच और तीसरा प्रकाशन 9वें दिन से प्रचार अभियान के अंतिम दिन (मतदान दिवस से दो दिन पहले) तक समाचार पत्रों व टीवी चैनल पर प्रकाशित और प्रसारित करने होंगे। यह प्रकाशन ऐसे राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र जिनकी प्रसार संख्या 75 हजार प्रतिदिन हो और स्थानीय समाचार पत्र जिसकी प्रतिदिन 25 हजार प्रतियां प्रकाशित होती हों उसमें सी-1 एवं सी-2 फॉर्मेट प्रकाशित करवाने होंगे। इसी प्रकार विभिन्न टीवी चैनल में भी इनका प्रसारण करवाना होगा। इसकी समयावधि सुबह 8 से रात 10 बजे कम से कम सात सेकंड के लिए होनी जरूरी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार फॉर्मेट सी-1 उम्मीदवारों के लिए होगा। वहीं फॉर्मेट सी-2 राजनीतिक दलों के लिए होगा।

फार्मेट सी-1 भरते समय इन बातों का ध्यान रखा जाना होगा। उम्मीदवार के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों से संबंधित विवरण मोटे अक्षरों में हो। समाचार पत्रों में सूचना न्यूनतम 12 फोंट के आकार में प्रकाशित की जाए। हर मामले के लिए विवरण अलग-अलग पंक्तियों में अलग-अलग दिया जाना चाहिए। यदि कोई उम्मीदवार किसी दल विशेष के टिकट पर चुनाव लड़ रहा है, तो उसे अपने खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के बारे में अपने दल को सूचना देनी होगी। साथ ही जैसे ही आपराधिक मामलों के संबंध में घोषणा प्रकाशित हो जाती है, उम्मीदवार तत्काल इसकी सूचना रिटर्निंग अधिकारी को देंगे। इसके अतिरिक्त, निर्वाचन परिणाम की घोषणा के तीस दिनों के भीतर वे निर्वाचन व्ययों के लेखा सहित फॉर्मेट सी-4 में मामलों के संबंध में घोषणा के प्रकाषन के बारे में एक रिपोर्ट जिला निर्वाचन अधिकारी के सामने पेश करेंगे।

वहीं फॉर्मेट सी-2 के तहत राजनैतिक दलों द्वारा वेबसाइट्स, समाचार चैनलों और समाचार पत्रों में दल द्वारा खड़े किये गये उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में जानकारी देनी होगी। साथ ही राजनैतिक दल आपराधिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों से संबंधित सूचना दल की ऑफिशियल वेबसाइट के होमपेज पर डालने के लिए भी बाध्य होंगे। निर्वाचन आयोग को उक्त पहल से न केवल निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं स्वच्छता प्रदर्शित हो रही है, उसी के साथ ही जनता को भी पूर्णत: सुचित विकल्प का मौका मिला है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

जिले में अवैध शराब व्यवसायियों के विरूद्ध निरंतर कार्यवाही जारी

धार, । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रियंक मिश्रा के आदेश पर विधानसभा निर्वाचन-2023 को दृष्गित रखते हुए आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा विक्रय, परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जाकर निरंतर कार्यवाही जारी है। इसी कड़ी में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रातः विधानसभा के दल क्रमांक एक के द्वारा कार्यवाही करते हुए आबकारी वृत्त धार के भड़कला नाला, सूरजपुरा, खानदन बुजुर्ग में, वृत्त सागौर, धार, सरदारपुर, बदनावर अ तथा बदनावर ब की संयुक्त टीम द्वारा दबिश देकर 6 6 लाख 21हजार रूपये लागत की 6100 लीटर महुआ लहान तथा 105 लीटर हाँथ भट्ठी निर्मित शराब जप्त कर धारा 34(1)(क) म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 के अंतर्गत कुल 4 प्रकरण कायम किये गए।

3 अपराधी जिला बदर

धार,। जिला दण्डाधिकारी श्री प्रियंक मिश्रा ने विभिन्न अपराधिक गतिविधियों में संलग्न होने पर जिले के 3 अपराधियों को जिला बदर किए जाने का आदेश जारी किया है। जिनमें अपराधी गोविंद पिता दशरथ गारी निवासी ग्राम अमझेरा थाना अमझेरा जिला धार, कालू उर्फ सनावर पिता अब्दुल शकुर कुरेशी निवासी ग्राम रिंगनोद थाना सरदारपुर जिला धार एवं पवन पिता जीवन यादव निवासी गवली मोहल्ला थाना सरदारपुर जिला धार को एक-एक माह के लिए जिला बदर किया है। जिला दण्डाधिकारी मिश्रा ने उक्त अपराधियों को आदेश दिए है कि वे आदेश प्राप्त होने के दिनांक से 24 घण्टे के अन्दर धार जिले की राजस्व सीमा व इस जिले की समीपवर्ती जिले इन्दौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन एवं अलिराजपुर की राजस्व सीमाओं से उक-एक माह की अवधि के लिए बाहर चले जाए और जिला दण्डाधिकारी धार के न्यायालय की लिखित अनुमति के बिना वह उक्त क्षेत्रों में प्रवेश नहीं करेंगे।

राजकुमार पटेल के स्टार प्रचारक दिग्गी राजा, सुरेंद्र पटवा ने लगाई स्टार प्रचारकों की लड़ी

औबेदुल्लागंज। मतदान का सिर्फ 01 दिन बाकी रह गया है, चुनाव प्रचार भी लगभग बन्द होने को है। भाजपा व कांग्रेस जीत के लिए कोई कोर-कसर नही छोड़ रही हैं। भाजपा से स्टार प्रचारक इंदौर से कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, राजनाथ सिंह, मनोज तिवारी, जेपी नड्डा एवं अंतिम दिन औबेदुल्लागंज में शिवराज सिंह चौहान ने भोजपुर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र पटवा के पक्ष में अधिक से अधिक वोट करने की अपील की। पटवा फोनों पर व सोशल मीडिया पर भी वोट मांगकर सक्रियता दिखा रहे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल द्वारा घर-घर जाकर प्रचार किया जा रहा है, उनके स्टार प्रचारक पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सुल्तानपुर में सभा को संबोधित करने आये परंन्तु उनके अलावा कोई स्टार प्रचारक कांग्रेस से नही आया है। भोजपुर क्षेत्र के मतदान में यह स्पष्ट नज़र आ रहा है कि कांग्रेस द्वारा केवल ज़मीनी स्तर व भाजपा द्वारा ज़मीनी व हवाई स्तर पर जनसम्पर्क जोरों पर है। आगामी 03 तारीख को सब स्पष्ट होगा कि मतदाताओं के मन को कौन भाया व किसने मतदाताओं को अधिक लुभाया।

कांग्रेस प्रत्याशी को आशीर्वाद दिया और गले लगा कर स्वागत किया

आष्टा// नगर जनसंपर्क में इस बार युवाओं का जोश अलग ही देखने को मिल रहा था चौराहा चौराहा पर सैकड़ो की संख्या में झुंड के झुंड लगाकर अपने-अपने लीडरों के साथ हाथों में फूल मलाई लिए बड़े उत्साह में कांग्रेस प्रत्याशी का स्वागत करते हुए और सेल्फी लेते हुए युवा नजर आ रहे थे। आज नगर में कहीं चौराहों पर कांग्रेस प्रत्याशी के स्वागत और जनसंपर्क को देखने हेतु इतनी ज्यादा लोग इकट्ठे हो रहे थे कि लोग रास्ता बदलकर निकलते देखे गए कांग्रेस प्रत्याशी का हॉस्टल नगर में जो रूट तैयार किया गया था उसमें प्रातः 9-00 बजे नगर के नेता और कार्यकर्ता महिला और पुरुष मंडी गेट के सामने इकट्ठा होना शुरू हो गए थे और वहीं से हजारों की संख्या में पूरे नगर में सघन जनसंपर्क किया।

निलय का अपना प्रभाव भी युवाओं को आकर्षित करता है मैनेजमेंट का फंडा

भाजपा का कोई आकर्षक युवा नेता निलय डागा के सामने नहीं भाजपा अध्यक्ष बबला शुक्ला कि युवाओं वाली लोकप्रियता का जादू फेल रहा । परिवार की एकता और संख्या भी गीनी जा रही है । जैसा कि पिछले चुनाव में कांग्रेस की जीत का एक मुख्य कारण भी था । मध्य प्रदेश में नरेन्द्र मोदी और कमलनाथ के बीच चुनाव हो रहे है । बैतूल विधानसभा शामिल खास होगी।

याने हेमन्त डागा और निलय डागा

छिंदवाड़ा माडल सिटी कमलनाथ का मध्य प्रदेश सबसे बड़ा विज्ञापन और उदाहरण है । और भाजपा की योजना और घोषणा की तुलना में भारी है कमलनाथ की कांग्रेस का वचन पत्र है ।

बात हक़ीक़त की

आने से उसके ना आईं बाहर

बैतूल लाईव। देश के प्रधान मंत्री मोदी का बैतूल की धरती पुनः आगमन भाजपा प्रत्याशीयो के लिए कितने प्रतिशत भाग्य की बात होगी अब चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा लेकिन हां इतना जरूर कहा जा सकता है। की जिले कि पांचों विधान सभा सीट अब चुनाव नरेंद्र मोदी और कमलनाथ के चहेरे और विश्वास पर आधारित होंगे । क्योंकि भाजपा के दिग्गज नेता तो पिक्चर से धीरे धीरे एक एक करते सब गायब होते दिख रहे है। यह भी हो सकता है कि उन्हे कुछ और भूमिका मे रखा हो। लेकिन पिछली चुनाव में तो हेमन्त खंडेलवाल का पार्टी कार्यकर्ताओं को खुला विरोध दिख रहा था। लेकिन इस बार ऐसा दिखाई देता है। जैसे पूरी भाजपा ने मिलकर हेमन्त खंडेलवाल को सीधा धोखा देने का काम किया है । जो चर्चा आम है । फिलहाल बदलती आवोहवा तो बैतूल विधान सभा सीटी पर पुनः कांग्रेस प्रत्याशी निलय डागा की जीत का इशारा करने लगी है । यह कोई दावा नहीं है । सिर्फ स्तिथि जो सामने है । वैसे पूरे मध्य की बात करे तो शिवराज सिंह कि तुलना प्रदेश की जनता का मत कमलनाथ के नाम पर अधिक प्रतिशत मे मान सकते हैं । इस बार खास है कि आम जनता के मन मै कांग्रेस के प्रति सैंपत्ती और दिलचस्पी भी है । कि जब प्रदेश की जनता का निर्णय ने कांग्रेस की सरकार चुनकर किया था । तो मंत्री मंडल और केंद्र सरकार की नीति और रण नीति से विधायक की खरीदी बिक्री से मध्य प्रदेश में कांग्रेस कि सरकार गिराना का बदला भी जनता के मन कि बात होगी । रही भाजपा की सरकारी योजनाओं की तो कमलाथ ने तो शिवराज की सभी योजना और घोषणा दो कदम आगे की बात वचन पत्र मै लिख दी है । याने अब योजनाओ का लाभ लेकर प्रदेश कि जनता

भाजपा को ठेंगा दिखा सकती है । हाल ही मे आमला विधानसभा में शिवराज सिंह कि आम सभा भी भाजपा प्रत्याशी डाक्टर योगेश पंडाग्रे के पक्ष में कोई खास विज्ञापन नहीं कर पाई थी। ये आलग बात है स्थानीय तौर पर जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार ने स्पस्ट कहा है । कि योगेश पंडाग्रे आमला से पच्चास हजार वोट से जीतेगा अब इतनी बड़ी कहने के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार की खास भूमिका तो आमला के नजर नहीं आ रही। मुलताई मे सुखदेव पांसे और चंद्रशेखर देशमुख के बीच में चुनाव होना मान सकते है। जो भाजपा प्रत्याशी है। नामांकन के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी का शक्ति प्रदर्शन और नितिन गडकरी की सभा का निरस्त होना भी पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक जनता के हौसले और इरादों को प्रभावित जरूर करती है। वहीं घोड़ाडोंगरी विधानसभा में जनता को शिवराज सिंह और कमलनाथ साहब दोनों ने पार्टी समर्थक कार्यकताओं और आम जनता को साधने का प्रयास तो किया है। तो वहीं पूर्व विधायक ब्रह्मा भलावी ने खुद की टिकिट कटने के बाद मानो जैसे अपना मानसिक संतुलन को बनाए नहीं रख पाए और अपने प्रतिनिधि नरेंद्र मिश्रा को लेकर आपसी चकल्लस भरी बयान बाज़ी से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल उइके की छवि को विवादित करने लगे । हालाकि की इस बयान बाजी राहुल कि सेहत कोई नुकसान तो नहीं हुआ पर ब्रह्मा भलावी खुद रास्ते से अलग हो गए। वैसे भी वे विधायक रहते हुए भी अपने प्रतिनिधि नरेंद्र मिश्रा पर ही निर्भर रहते थे। जिसकी चर्चा आम रही है। उनका एक डायलॉग की मै ईमानदार आदिवासी और कांग्रेसी हूं मुझे पच्चास करोड़ का आफ़र दिया था मैंने कहा मै बिकने वाला नहीं हूं । लगभग उनके कहने का मतलब ऐसा ही कुछ रहा है । वैसे सूत्रों की माने तो जनता वैसे भी नहीं चाहती थी। कि कांग्रेस पार्टी ब्रह्मा को टिकट देकर चुनाव में उतार वोट मांगे राहुल ने उम्मीद से अधिक प्रतिशत खुद को साबित किया है । और ब्रह्मा कि तुलना में पार्टी ने राहुल के रूप में मजबूत प्रत्याशी घोषित किया है । वहीं चर्चा तो भाजपा प्रत्याशी गंगा उइके के प्रति सेंपती को लेकर भी की जाती है। और प्रयास भी कर रही है। वहीं बात भैसदेही विधान सभा की बात करें महेंद्र सिंह चौहान से बेहतर कोई खास विकल्प नहीं था । हां भाजपा को राहुल चौहान पर विचार कर सकती थी। ..अब चुनाव पिछले पुराने इतिहास के समीकरण गाने और ज्ञान बाजी बातो के आंकलन से नहीं जीत सकते यह बात बैतूल मुख्यालय का पिछला विधान सभा चुनाव परिणाम एक बड़ा उदाहरण है । कांग्रेस मूल मंत्र युवा लाबी और ग्लैमर अट्रेक्शन और युवाओं को उत्साहित करना भी कांग्रेस का मूल मंत्र रहा है । जो सीधे वोट करने मदद करते है । एक बड़ा वोट बैंक प्रतिशत जिन्हे कुछ और समझने की जरुवत नहीं है । अति उत्साहित होने का अवसर भी कांग्रेस ने दिया और मैनेजमेंट ने उनके कंधे पर गुलेल रखकर चलाने में कांग्रेस सफल हो सकती है । और भाजपा समर्पित युवा लाबी जो शहर में एक राय होकर बबला शुक्ला के नेतृत्व में बड़ा प्रदर्शन करने में सबसे आगे दिखती थी । अब लगता वह भीड़ सिर्फ दुर्गा उत्सव और गणेश विसर्जन जुलूस के लिए ही इकट्ठा कि जाती रही है । भाजपा प्रत्याशी हेमन्त खंडेलवाल के गंज जनसंपर्क के दौरान भाजपा के मुख्य किरदारों की कमी और युवा संगठन की बड़ी लाबी का ना होना भी एक पार्टी समर्थक और भाजपा प्रत्याशी श्री हेमन्त खंडेलवाल दोनों के लिए चिंता का विषय जरूर है। और इधर कांग्रेस प्रत्याशी निलय डागा ने कांग्रेस संगठन के बीच चल कं टर्वर्सी और विवादित खबरों को नजर अंदाज करके अपनी चुनावी रणनीति मे डागा फाउंडेशन और निजी समर्थकों पर अधिक विश्वास जताते हुए आगे बढ़ते हुए दिखते रहे । इस प्रकार की चर्चाओं और आंकलन तो किसी माध्यम चलते रहना स्वाभिक सी बात है । वास्तविकता तो कुछ हद तक मतदान के दिन और सपस्ट रूप से 3 दिसम्बर परिणाम के सामने आएगी ।

बस स्टेण्ड रहेगा यथावत क्षेत्र की बदलेंगे तकदीर तस्वीरः अजय टंडन

दमोह। मतदान शोर समाप्ति के आखरी दिवस नगर के कई वार्डो में नुक्कड़ सभाओं व्यक्तिगत मुलाकातो के बाद बस स्टेण्ड पर गरजते हुए कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी 35 वर्ष विधायक रहे और 18 वर्ष अनेको विभागो के मंत्री किन्तु बस स्टैन्ड जैसा था वैसा आज है तकदीर तस्वीर बदली तो एकलब्य युनिवर्सिटी की ऐसी बिल्डिंग पूरे जिले में देखने नहीं मिलेगी वह चुनाव ही इसीलिये लड़ रहे है कि नगरीय निकाय में टी.एस.एम. बनाने वाले उनके पुत्र इस दमोह को पहिले की तरह संचलित कर सके। फुटेरा वार्ड 2,4 नया बाजार 4,5 में जनसंपर्क करते हुए अफजल खान, अजय जाटव ने बस स्टैन्ड स्थित नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नगर के चारो तरफ इन्होंने अपने चहेतो को जमीने खरीदवा दी फिर से बायपास निकलवा दिये जिससे पुराने दमोह की कीमत शून्य हो गई और इनकी जमीनो की बल्ले बल्ले हो गई फुटेरा वार्ड स्थित नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने कहा कि उनकी मॉ का कुछ ही दिन पहिले देहान्त हुआ उन्होंने कहा था कि मानव जीवन लेकर आये हो और हम यदि सक्षम है तो हर गरीब की सेवा करे उन्होने कहा कि बागेश्वर धाम की ऐतिहासिक रामकथा उन्हीने दमोह वासियों के सहयोग से ही सम्पन्न कराई और नगर को राममय बनाया भाजपा प्रत्याशी पुनः रूपये शराब बॉटकर इसी सीट पर काबिज होना चाहते है किन्तु जनता अब जागरूक हो चुकी है। इस दरम्यान जिला कांग्रेस कार्यालय में दमोह विधानसभा क्षेत्र के अनेक समाजों से आये व्यक्तियों ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रतनचंद जैन एवं राशु चौहान की उपस्थिति में लगभग 300 व्यक्तियों ने कांग्रेस की सदस्यता ली है।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते ने दमोह के जबेरा में जनसभा की

ऐसा कोई देश नहीं है, जो सालों साल अपने देश के 80 करोड़ गरीबों को निःशुल्क अनाज उपलब्ध करा रहा हो।

दमोह ऐसा कोई देश नहीं है, जो सालों साल अपने देश के 80 करोड़ गरीबों को निःशुल्क अनाज उपलब्ध करा रहा हो। आने वाले पांच साल तक मुफ्त राशन देने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। यह बात केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल एवं फग्गनसिंह कुलस्ते ने दमोह के जबेरा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी धर्मेंद्र सिंह लोधी के समर्थन में ग्राम हर्रई तेजगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमें किसानों के बारे में सोचना होगा, क्योंकि यदि अन्न के भंडार नहीं भरे होंगे तो निःशुल्क अनाज कैसे दिया जाएगा। इसलिए भाजपा ने तय किया है कि सामाजिक सुरक्षा देने के लिए बुजुर्गों और दिव्यांगों को हर महीने 15 सौ रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। नेताद्वेय ने बाद में रायसेन जिले के उदयपुरा पहुंचकर पार्टी प्रत्याशी नरेंद्र शिवाजी पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

भाजपा वोट का सौदा नहीं करती

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा वोट का सौदा नहीं करती,बल्कि गरीब कल्याण और कमजोर वर्ग के हितैषी केय

कमलनाथ ने योजनाओं को बंद कर दिया

फगन सिंह कुलस्ते ने कहा कि कमलाथ की जब 15 महीने की सरकाई आई तो प्रदेश की कई योजनाओं को बंद कर दिया था। कमलनाथ ने संबल जैसी योजना को भी बंद कर दिया था। कांग्रेस दोबारा वापस आई तो कई योजनाओं पर फिर ताला लग जाएगा और लोगों को लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील करते हुए कहा कि आपके एक वोट से डबल इंजन की सरकार के विकास की रफ्तार को गति मिलेगी।

हरपालपुर और नौगांव में दौलत तिवारी का शक्ति प्रदर्शन

सपा प्रत्याशी ने रोड शो कर बनाए उलटफेर के हालात, समर्थकों में उत्साह

छतरपुर। महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बुधवार को समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अजय दौलत तिवारी ने विधानसभा क्षेत्र के हरपालपुर और नौगांव शहर में मतदान के दो दिन पहले अपने समर्थकों के साथ शक्ति प्रदर्शन करते हुए बड़े रोड शो किए। उन्होंने सुबह हरपालपुर में अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ सड़कों पर उतरकर रोड शो करते हुए जनता से आशीर्वाद मांगा तो वहीं दोपहर के बाद नौगांव शहर में भी एक विशाल पदयात्रा करते हुए हाथ जोड़कर जनता से सपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

अजय दौलत तिवारी के इस महाजनसंपर्क अभियान के अंतर्गत हरपालपुर और नौगांव शहर में बड़ी संख्या में उनके समर्थक मौजूद रहे। समर्थकों ने हाथों में विशाल झण्डे लेकर अपने नेता अजय दौलत तिवारी के समर्थन में नारेबाजी की। इसी तरह नौगांव में भी रोड शो के दौरान नगर के कई चौराहों पर अजय दौलत तिवारी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। जनता ने उन्हें फूलमालाएं पहनाईं और विजय का आशीर्वाद भी दिया। इस मौके पर अजय दौलत तिवारी ने कहा कि वे क्षेत्र की जनता को अपना परिवार मानते हैं और इस बार अपने परिवार से बेटे के तौर पर वोट का आशीर्वाद मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र के नौजवानों, किसानों, गरीबों को आज तक भाजपा और कांग्रेस ने मिलकर धोखा दिया है। हमें इस क्षेत्र में एक नई व्यवस्था बनाना है इसलिए इस बार अपने बेटे को आशीर्वाद देकर उसे विधानसभा में पहुंचाएं। मैं वादा करता हूं कि क्षेत्र की जनता को कभी धोखा नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने किसानों को समय पर खाद, बीज,

बिजली पानी उपलब्ध कराने क्षेत्र से भ्रष्टाचार को खत्म करने की लड़ाई लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि आज दोनों ही प्रत्याशी जनता पर राज करने के लिए वोट मांग रहे हैं जबकि मैं अपने क्षेत्र को एक नई सोच के साथ विकसित करने के लिए वोट मांग रहा हूं। नौगांव एवं हरपालपुर में निकाली गई इस जनसंपर्क यात्रा में बड़ी संख्या में समर्थक एवं कार्यकर्ता व महिलाएं मौजूद रहीं।

ललिता यादव ने मंदिर में किये दर्शन, गुरूद्वारे में मत्था टेककर लिया विजयश्री का आशीर्वाद

छतरपुर। पूर्व मंत्री और छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती ललिता यादव ने बुधवार को सुबह राधाकृष्ण मंदिर जाकर दर्शन किये। इसके बाद महोबा रोड स्थित गुरूद्वारे पहुंचकर मत्था टेककर विजयश्री का आर्शीवाद लिया।

मंदिर में बडी संख्या में कार्तिक व्रत रखकर आराधना कर रही महिलाओं और गुरूद्वारे में मौजूद सिख समुदाय के लोगों ने श्रीमती ललिता यादव को सुनिश्चित जीत सहित छतरपुर में कमल खिलाने का भरोसा दिलाया है। राधाकृष्ण मंदिर में कतकारियों के साथ उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की आराधना की और भक्तिगीतों की धुन पर कतकारियों के साथ मगन होकर नृत्य के माध्यम से भक्ति की। यहां सभी महिलाओं का श्रीमती ललिता यादव से जुडाव और लाडली बहनों का भाजपा की रीति-नीति में विश्वास के तालमेल का अनूठा नजारा देखने को मिला। कतकारियों की मांग पर श्रीमती ललिता यादव ने राधा सखियों का आश्वस्त किया कि अगले साल कार्तिक मास में मंदिर आने वाली कतकारियों को मुख्य मार्ग से मंदिर तक पक्का मार्ग बना मिलेगा। मैं राधा सखियों के पैरों में कंकड नहीं चुभने दूंगी। सभी महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि हम सब ये संकल्प ले चुकी हैं कि महिलाओं को सम्मान, आत्मनिर्भरता, विकास और सुरक्षा देने वाली भाजपा सरकार को एक बार फिर से लाना है। छतरपुर में वर्ष 2013 का इतिहास दोहराकर कमल ही खिलाना है।

फूल से ज्यादा कोमल है मेरी सरकार यदि कांग्रेस सरकार आई तो न लाडली रहेगी न बहना : शिवराज सिंह चौहान

सारे गुंडे एक हो गए हैं किसी से डरने की जरूरत नहीं है आपकी एक बटन की ताकत मुझे इन्हें रोकने में सक्षम बनाती है - नागवंशी

पिपरिया - चुनाव प्रचार के अंतिम दिन 15 नवंबर दिन बुधवार को सुबह 10 बजे के करीब प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान भाजपा प्रत्याशी ठाकुरदास नागवंशी के पक्ष में विशाल आमसभा को संबोधित करने हेलीकॉप्टर से पिपरिया पहुंचे।

हेलीकॉप्टर को आरएनए खेल मैदान पर खड़ा कर वह अपने पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों के साथ रोड के रास्ते होते हुए सुभाष चौक स्टेशन रोड सभा स्थल के लिए रवाना हुए सभा स्थल पहुंच उन्होंने कहा कि - भाई दूज का दिन और सबेरे की सभा में आपने उपस्थित होकर जो आशीर्वाद दिया है उसके लिए मैं पिपरिया और सारे पिपरिया विधानसभा वासियों को प्रणाम करता हूं पिपरिया अदभुद शहर है और ये धरती भी अधभुद है इच्छा होती है पिपरिया में ही वश जाओ, पिपरिया मेरी आंखों में बसती है, पिपरिया मेरी सांसों में बसती है ये भाजपा और श्रेष्ठ व्यापारियों व मेहनती किसानों का क्षेत्र है।

सज्जनों के लिए फूल से भी ज्यादा कोमल है मेरी सरकार लेकीन दुष्टों के लिए वज्र से जायदा कठोर भी है मेरी सरकार, अगर किसी ने गुंडागर्दी दादागिरी जनता को दबाने की कोशिश की तो चिंता मत करना मामा का बुलडोजर तैयार रहेगा ।

वहीं उन्होने लाडली बहना योजना सहित भाजपा की जनहितकारी योजनाओं से जनता को अवगत करा पिपरिया विधानसभा में 10 सीएम राइस स्कूलों की सौगात देने, बूढ़ी माताओं के लिए 1500, जो महिलाएं लाडली बहना योजना से वंचित रह गई है उनके लिए चुनाव बाद पोर्टल खोल उनका भी नाम जोड़ा जायेगा, दूधी भी स्वीकृत डोकरीखेड़ा डेम के लिए भी स्वीकृत प्रदान की गई है, किसान भाईयों के खेतों में पानी पहुंचाने की कोई कसर पीछे नहीं छोडने और कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि - कांग्रेस की सवा साल की सरकार ने हमारी कई योजनाएं बंद कर दी थी छात्र छात्राओं को लैपटॉप देना बंद कर दिया था, बच्चों से साईकिल छीन ली और भी कई ऐसी बातें हैं।

वहीं विधायक प्रत्याशी ठाकुरदास नागवंशी ने कहा कि प्रदेश के मुखिया से पिपरिया के लिए जो भी मांगा उन्होंने दिया चाहे झिरपा मार्ग हो चाहे डोकरीखेड़ा डेम हो चाहे सांगाखेड़ा से बारछीपुल दूधी डैम सबकुछ मिला इसके लिए मैं उनको बहुत बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं और जनता से एक बात कहना चाहता हूं पिपरिया शहर में अमन और शांति चाहिए आपने देखा होगा पिपरिया के सारे गुंडे एक हो गए हैं किसी से डरने की बात नहीं है हम सभी आपके साथ हैं, 15 साल में मैंने शिवराज सिंह के आशीर्वाद से यहां अमन और शांति कायम की है और हमेशा कायम रहेगी ये सब मैं नहीं करता आपका आशीर्वाद करता है और आपकी एक बटन की ताकत मुझे इन्हें रोकने में सक्षम बनाती है, मैं बडा सौभाग्यशाली हूं कि आप सभी का आशीर्वाद मेरे ऊपर कायम है मै आप सभी से

निवेदन करता हूं कि भारी बहुमतों से पिपरिया विधानसभा जीतना चाहिए ये पहली बार हुआ है कि हम नंबर 1 बटन पर हैं और जनता भी नंबर वन पर है और विधायक भी एक नंबर पर है जाने अंजाने में यदि मुझसे कोई गलती हुई हो तो क्षमा प्रार्थी हूं पुनः मुझे सेवा का अवसर प्रदान करें।

आमसभा की सबसे बड़ी बात इसमें जनता का बड़ी भारी संख्या में हुजूम उमड़ा की कुर्सियां कम पड़ गई फिर भी लोगों ने बिना किसी परवाह के जिसे जहां जगह मिली उसने वहां से शिवराज सिंह चौहान को सुना, इस अवसर पर भाजपा परिवार के पदाधिकारी कार्यकर्ता समर्थक बड़ी संख्या में शामिल रहे।

प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की चुनावी सभा

आजादी के बाद देश को कांग्रेस ने बनायाः खरगे

बैरसिया। चुनाव प्रचार का अंतिम दिन कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही पार्टियों ने पूरी ताकत के साथ अपना चुनावी प्रचार अभियान समाप्त किया जहां कांग्रेस पार्टी द्वारा अंतिम दिन कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे ने बैरसिया के दशहरा मैदान में सभा की इस चुनावी सभा में कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत के साथ सब कुछ चुनाव में झोंक दिया है चार बार से कांग्रेस लगातार पराजित होने के बावजूद हिम्मत नहीं हारने के जज्बे के साथ चुनाव मैं डटी रही है चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभा को संबोधित किया उन्होंने सभा में भाजपा को आडे हाथों लेते हुए कहा कि जब देश आजाद भी नहीं हुआ था हुआ था तब से कांग्रेस इस देश को बनाने के लिए जुटी रही है आजादी के बाद हमने सुई से लेकर अंतरिक्ष तक का सफर हमने देश निर्माण के लिए किया है हमने सिंचाई से लेकर स्वास्थ्य सेवा के लिए कार्य किया हमने देश में एम्स जैसे बड़े अस्पताल ,शिक्षा के लिए आईआई टी सेंटर ,सिंचाई के लिए भाखड़ा जैसे बड़े-बड़े बांधों का निर्माण किया हमने देश जोड़ने का कार्य किया इस देश को बनाने के लिए सभी को समानता का अधिकार दिया हम सब ने मिलकर संविधान का निर्माण किया हमने देश को मजबूत आधार स्तंभ प्रदान किया आज चुनाव में हम भ्रष्टाचारियों के खिलाफ लड़ रहे हैं यहां की सरकार 18 वर्षों से प्रदेश में विकास के नाम पर भ्रष्टाचार कर रही है यहां पर कमीशन खोरी की सरकार चल रही है भाजपा ने प्रदेश के साथ-साथ देश का भी बंटाधार कर दिया है भाजपा ने बेरोजगारों के साथ धोखा किया है वह दो करोड़ रोजगार के नाम पर चंद हजार पद ही देते रहे देश में आज बेरोजगारी अपने चरम स्तर पर पहुंच गई है देश के लाखों युवा बेरोजगार हो गए हैं भाजपा की सरकार में जब भी कोई भर्ती परीक्षा होती है तो उसकी भर्तियों पर रोक लग जाती है उसमें घोटाले हो जाते हैं ।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल

क्रमांक 2372/राजस्व/भो.वि.प्रा./2023 भोपाल दिनांक 14/11/2023

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की इन्द्रपुरी योजना में स्थित भूखण्ड क्र.–232 पर निर्मित प्रकोष्ठ क्र.–04, प्रथम तल, क्रमशः 1– श्री के. मुरलीधरन नायर आ. श्री आर. के. नायर, 2– श्रीमती रेखा राजेश पत्नि श्री राजेश कुमार 3–श्रीमती रेणु खान पत्नि श्री मो. खलील के संयुक्त नाम पर अंकित है। संयुक्त आवंटी में से श्री के. मुरलीधरन नायर का स्वर्गवास दि. 07/08/2023 को हो जाने के कारण उनके वारिसगण श्रीमती रेखा राजेश पत्नि श्री राजेश कुमार एवं श्रीमती रेणु खान पत्नि श्री मो. खलील के द्वारा आवेदन पत्र के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र, एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त प्रकोष्ठ अपने नाम पर कराना चाहते है। यदि उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने प्रचार के अंतिम दिन किए तूफानी दौरे, 12 विधानसभाओं को किया कवर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र हर दिन प्रदेश भर में घूमकर अलग-अलग विधानसभाओं में चुनाव प्रचार किया। चौहान ने आदर्श आचार संहिता से लेकर अब तक लगभग 165 से भी ज्यादा विधानसभाओं में जनसभा को संबोधित किया है। इन तूफानी दौरों के अंतिम दिन बुधवार को भी शिवराज, भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में सोहागपुर, पिपरिया, घोड़ाडोंगरी, खातेगांव, आष्टा, इछावर, भोजपुर, कुरवाई, भोपाल उत्तर, नरेला और हुजुर समेत 12 विधानसभाओं में जनता-जनार्दन के बीच पहुंचे और संवाद किया। और अंत में सीएम शिवराज ने भोपाल के कोलार से प्रदेशवासियों के नाम संदेश देते हुए संबोधित किया एवं सभी भाजपा प्रत्याशियों को जिताकर भाजपा सरकार बनाने का संकल्प दिलाया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल और प्रियंका गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, दोनों बाई-बहन रोज झूठ बोलते हैं। इन्होंने कहा था किसानों का कर्जमाफ कर देंगे लेकिन कर्जमाफी तो दूर उल्टा किसानों को डिफाल्टर बना दिया। इन्होंने कहा था कि, बेरोजगारों को भत्ता देंगे लेकिन एक धेला नहीं दिया। इन्होंने कहा था कि, हम हम समर्थन मूल्य पर बोनस देंगे लेकिन नहीं दिया। एक भी वादा पूरा नहीं किया। प्रियंका गांधी कह रही थी कि, भगवान राम 13 साल के लिए वनवास गए थे। फिर कह रही थीं कि, पेट्रोल-डीजल पर जीएसटी लगता है। अब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने कहा कि, मोदी जी ने भेल बेच दिया है। इतने बड़े झूठे हैं कि, चुनाव आयोग ने इन्हें नोटिस दिया है। ये झूठ की दुकान है इनके चक्कर में मत आना। अगर कांग्रेस भूल से भी आ गई तो सब खत्म हो जाएगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि, कांग्रेस डिवाइडेड है और भाजपा यूनाइटेड है। सीएम शिवराज ने कहा कि, कांग्रेस झूठ और भ्रम फैलाने वाली पार्टी है, आपस में ही कपड़े फाड़ने वाली पार्टी है। एक-दूसरे के खिलाफ ही लड़ाई लड़ते हैं, कांग्रेस में अलग-अलग गुट हैं लेकिन भाजपा यूनाइटेड है। भारतीय जनता पार्टी में अनुशासन और मान-सम्मान सबसे ऊपर हैं, हम जनता की भलाई के लिए और जनकल्याण के लिए कार्य करते हैं कांग्रेस तुष्टीकरण करके केवल वोटों की राजनीति करती है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, ये मनमोहन सिंह जी का जमाना नहीं है, आज पीएम मोदी जी के नेतृत्व में हम मोबाईल एक्सपोर्ट कर रहे हैं। मैक इन इंडिया, मेड इन इंडिया का जलवा है। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ कर अपनी सरकार बनाएगी। साथ ही उन्होंने इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि, इंडी गठबंधन नफरत फैला रहा है, आपस में लड़ रहे हैं, कलह मची हुई है और ये मैं नहीं, अखिलेश यादव कह रहे हैं कि, कांग्रेस घटिया पार्टी है। आपस में ही इनकी हालत ऐसी हो गई है कि रोज जूतम पैजार हो रही है। दिग्विजय सिंह के ईवीएम पर सवाल उठाने पर चौहान ने पलटवार करते हुए कहा कि, दिग्विजय सिंह के पास और कुछ नहीं, वो हारने के बहाने खोजते हैं कभी ईवीएम पर आरोप लगाते हैं कभी दूसरी पार्टी पर, दिग्विजय जानते हैं कि वो हार रहे हैं।

पट्टा देकर बनाएंगे जमीन का मालिक: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। सीएम शिवराज ने कहा कि, कांग्रेस कई झूठी अफवाह फैला रही है, कांग्रेस झूठी पार्टी है। कांग्रेस के लोग कह रहें है कि, आदिवासियों की जमीन छीन ली जाएगी। चौहान ने कहा कि, तुम्हारी जमीन की तरफ कोई उंगली भी उठाकर नहीं देख सकता है, जिन्हें पट्टा नहीं मिला है उनको भी पट्टा देकर मालिक बनाएंगे, भाजपा की सरकार सबसे पहले गरीबों के लिए है। कांग्रेस ने तो आज तक धेला नहीं दिया। कांग्रेस की सरकार आयी तो सवा साल में ही सभी योजनाएं बंद कर दी। बेटियों की शादी करके पैसे ही नहीं दियें, तीर्थ यात्रा बंद कर दी, संबल योजना बन्द कर दी, बच्चों की साईकिलें बंद कर दी, लैपटॉप देना बंद कर दिये, बहनों को मैं बेटा-बेटी के जन्म के पहले 4 हजार और जन्म के बाद 12 हजार देता था वो भी बंद कर दिये।

हर वर्ष 50 हजार सरकारी नौकरी, बुजुर्गों को 1500 पेंशन: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा की सरकार हर वर्ष मध्यप्रदेश में 50 हजार सरकारी नौकरी देने का कार्य करेगी। अभी लाड़ली बहनों को 1250 रूपए प्रतिमाह मिलते हैं। कुछ बुजुर्ग महिलाओं ने कहा कि हमें तो एक हजार ही वृद्धावस्था पेंशन मिलती है। प्रदेश में भाजपा सरकार बनते ही वृद्धावस्था पेंशन 1500 रूपए प्रतिमाह की जाएगी। प्रत्येक परिवार को एक रोजगार देने का कार्य भी भाजपा की सरकार द्वारा किया जाएगा। महिलाओं को स्थानीय निकाय चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण देने का कार्य भाजपा सरकार ने किया है। शिक्षकों में 50्र रिजर्वेशन हमनें पहले से दिया है। उसके बाद लाड़ली बहना योजना बनाई, जिसमें अभी लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रूपये जा रहे हैं इस राशि को बढाकर हम क्रमशः 3 हजार रूपए तक ले जायेंगे। पुलिस भर्ती में 30 प्रतिशत आरक्षण दिया, शिक्षकों की भर्ती में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। अब महिलाओं को ओवरऑल 35 प्रतिशत आरक्षण भाजपा सरकार देगी। हर नौकरी में अब 35 प्रतिशत भर्ती महिलाओं की होगी। मेरी बहन-बेटी के नाम से अगर संपत्ति खरीदी जाती है तो स्टांप शुल्क एक प्रतिशत लगेगा।

लाड़ली लक्ष्मी को मिलेंगे 2 लाख: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, अब लाड़ली लक्ष्मी बेटियाँ 5वीं पास करके 6वीं में जाएंगी तो उन्हें 2 हजार नहीं बल्कि 5 हजार रूपए दिया जाएगा। 8वीं पढ़ कर 9 वीं में जाएगी तो 4 हजार से बढ़ाकर 8 हजार रूपए दिया जाएगा। 11वीं में 6 हजार से बढ़ाकर 10 हजार रूपए दिया जाएगा। 12वीं में 6 हजार से बढ़ाकर 12 हजार कर दिया जाएगा। कॉलेज में अगर लाड़ली लक्ष्मी पढ़ेगी तो 20-20 दो किश्तों में 40 हजार रुपए देंगे। कुल 2 लाख रुपए देंगे। ये कांग्रेसी पूछतें हैं कि, लाड़ली लक्ष्मी से क्या हुआ, मैंने कहा ये तुम नहीं समझ सकते हो, जहां मध्यप्रदेश की धरती 1 हजार बेटों पर 912 बेटियाँ पैदा होती थी अब 956 बेटियाँ पैदा हो रही है बेटियाँ ज्यादा जन्म ले रही हैं और जब तक यह संख्या मैं बराबर नहीं कर देता मैं चेन से नहीं बैठूँगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनसभा में संबोधित करते हुए कहा कि, मैं आपकी जिंदगी बदलने के अभियान पर काम कर रहा हूं। बहनों के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना बनाई है, जिसके तहत पक्के मकान बनाने के लिए पैसा दिया जाएगा। किसानों के लिए भी भाजपा सरकार ने अनेकों फैसले किए हैं, किसानों को 12 हजार रूपए साल दिया जा रहा है। अब धान 3100 रूपए क्विंटल तो गेहूं 2700 रूपए क्विंटल खरीदा जाएगा। बच्चों को शिक्षा का अधिकार देकर रहेंगे। अब सीएम राइज स्कूल बनाए जा रहें हैं जो प्राइवेट स्कूल से बेहतर हैं। हर 25 से 30 गांवों के बीच सीएम राइज़ स्कूल बनाया जाएगा, जहां लैब, लाईब्रेरी, स्मार्ट क्लास और बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। रोजगार के लिए प्रत्येक परिवार एक रोजगार हमारा संकल्प है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जबलपुर उत्तर-मध्य प्रत्याशी के समर्थन में निकाली बाइक रैली शामिल हुए

सनातन का विरोध करने वालों को जवाब देने भाजपा को वोट दें: शर्मा

जबलपुर। जबलपुर उत्तर-मध्य विधानसभा में जनता अपने काम के लिए, विकास के लिए नेता नहीं अभिलाष के रूप में बेटा चुनें और भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करें। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही मध्यप्रदेश का विकास कर सकती है। कांग्रेस के शासनकाल में तो मध्यप्रदेश बीमारू राज्यों की श्रेणी में था, मिस्टर बंटाढार और मिस्टर करप्शननाथ अगर फिर मध्यप्रदेश की सत्ता में आ जाएंगे तो प्रदेश के विकास कार्यो। को रोक देंगे और प्रदेश फिर बंटाढार के रास्ते में चला जाएगा। कांग्रेस पार्टी सनातन का विरोध करने वालों के साथ खड़ी है। सनातन का विरोध करने वालों को जवाब देने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को प्रचंड मतों से विजयी बनाएं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त ने जबलपुर उत्तर-मध्य से पार्टी प्रत्याशी अभिलाष पांडे के समर्थन में आयोजित बाइक रैली को संबोधित करते हुए कही।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रदेश को सशक्त बनाने, गरीबों के कल्याण के लिए और 2024 में पुनः नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए 2023 में भाजपा की सरकार मध्यप्रदेश में बनना आवश्यक है। भाजपा की सरकार बनाने के लिए जबलपुर उत्तर विधानसभा से भी कमल खिलाकर भोपाल पहुंचाना है। पिछले विधानसभा चुनाव में हमें वोट ज्यादा मिले थे, परंतु कुछ सीटें कम जीतने के कारण प्रदेश में छल कपट की राजनीति करने वाली कांग्रेस की सरकार बन गई। कांग्रेस की 15 महीने की सरकार ने करप्शन नाथ एवं बंटाधार के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को पुनः दुरावस्था में ले जाने का प्रयास किया, इसलिए इस बार चूक नहीं होनी चाहिए और प्रचंड बहुमत के साथ मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनना चाहिए।

प्रत्येक बूथ जीतना है

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि हमें चुनाव तो जीतना ही है परंतु युवाओं एवं मातृशक्ति के बल पर प्रत्येक बूथ जीतना है। हर कार्यकर्ता को अपने बूथ का ध्यान रखना है, तभी हमारी जीत सुनिश्चित होगी। सनातन धर्म का विरोध करने वालों को जबाब देने के लिए भाजपा को वोट दें, ताकि सनातन विरोधियों के साथ खड़ा हर व्यक्ति सनातन की शक्ति पहचान सके। उत्तर विधानसभा से मेरे छोटे भाई, छात्र राजनीति से सार्वजनिक जीवन में काम कर रहे युवा प्रत्याशी अभिलाष पांडे आप सब अपना आशीर्वाद देकर विजयी बनाएं।

भोपाल में भी भाई दूज का त्यौहार बड़े हर्ष और उल्लास से मनाया गया। 93 वर्ष की बहन ने अपने 90 वर्षीय भाई को भाई दूज का टीका किया और दीर्घायु की मंगल कामना के साथ शुभ आशीर्वाद दिया- जगदीश कौशल।

यह क्या कह गए सुरखी के कांग्रेस प्रत्याशी

सोशल मीडिया पर वीडियो हो रहा वायरल

सागर। सोशल मीडिया पर सुरखी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा का वीडियो जन चर्चा का विषय बना हुआ है। इस वीडियो में नीरज शर्मा खुद अपने प्रतिद्वंदी भाजपा से सुरखी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत द्वारा किए गए विकास कार्यों गुणगान कर रहे हैं। वीडियो में नीरज शर्मा, गोविंद सिंह राजपूत को विकास पुरुष कहते हुए बता रहे हैं कि किस तरह गोविंद सिंह राजपूत ने दो करोड रुपए की लागत से ऐतिहासिक स्टेडियम बनवाया है। 30 करोड़ की लागत से घर-घर पानी पहुंच कर 40 साल पुरानी समस्या का समाधान किया है। नीरज शर्मा ने बताया कि लाखेराधाम, मंगल भवन, छोटा पुल ,बस स्टैंड सौंदर्य करण जैसे अनेकों ऐतिहासिक काम करके गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा के लिए शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई है। नीरज शर्मा ने यहां तक कहा कि गोविंद सिंह राजपूत जैसा विकास करने वाला कोई व्यक्ति सुरखी विधानसभा में अभी तक नहीं आया है। वे विकास पुरुष है।

नोट -हम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करते हैं

एम्स के डॉ. अहमद नजमी ने इंडोनेशिया में शोध पोस्टर प्रस्तुत किया

भोपाल। एम्स में फार्माकोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अहमद नजमी ने इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ फार्माकोविजिलेंस (आईएसओपी) की बाली, इंडोनेशिया में आयोजित 22वीं वार्षिक बैठक में अपने शोध का प्रदर्शन किया, जिसका विषय था फार्माकोविजिलेंस में रोगी को प्रथम रखना: वैश्विक दक्षिण से अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य। डॉ. नजमी ने मध्य भारत में एक चिकित्सा उपकरण निगरानी केंद्र में आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं का पैटर्न और घटना नामक एक शोध पोस्टर प्रस्तुत किया। इस पोस्टर को डॉ. शिल्पा काओरे, डॉ. मनीष द्विवेदी, डॉ. बालाकृष्णन एस. और श्री मोहम्मद फैजान खान ने संयुक्त रुप से लिखा है। अपने शोध को प्रस्तुत करने के अलावा, डॉ. अहमद नजमी सम्मेलन के दौरान विभिन्न वैज्ञानिक और इंटरैक्टिव सत्रों में सक्रिय रूप से शामिल हुए। इस दौरान इंटरनेशनल फार्माकोविजिलेंस, मेटरियोविजिलेंस, इकोफार्माकोविजिलेंस, वैक्सीन विजिलेंस और गर्भावस्था में दवा की सुरक्षा की निगरानी इत्यादि विषयों पर चर्चा की गई है।

सरकार बनते ही सबको मिलेगा लाड़ली बहना योजना का लाभ: शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री ने उत्तर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा के लिए मांगा आशीर्वाद

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आलोक शर्मा और हमारा पुराना साथ है। हम उन्हें जितना जानते हैं उनमें सेवा का भाव और विकास का जुनून है। वे हमेशा लोगों की चिंता करते हैं इस बार आप उत्तर विधानसभा में कमल खिलाएं, आलोक जो काम बताएंगे उनमें पैसों की कमी नहीं आने दी जाएगी। यह हमारा वादा है। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन ईदगाह हिल्स के बाजपेयी नगर मल्टी में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रत्याशी आलोक शर्मा को जिताने की जनसमूह से अपील की। उन्होंने कहा कि हमारी जितनी भी लाडली बहनें योजना में शामिल नहीं हो पाई है, सरकार बनते ही पोर्टल खुलवा देंगे सबको योजना का लाभ मिलेगा। इसी तरह बुजुर्गों को अभी तक 600 रुपये मासिक दिए जाते हैं। अब इस राशि को बढाकर 1500 रुपये महीने कर देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए राजनीति सेवा है। हम बिना किसी भेदभाव के सबका साथ सबका विकास के लिए काम करते हैं। बड़ी संख्या में सभा में पहुंचीं अल्पसंख्यक समुदाय की बहनों से मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों का कोई धर्म नहीं होता है सभी हमारे लिए अपने हैं। हम अपनी बहनों की आंखों में आंसू नहीं आने देंगे। लाड़ली बहना योजना में सभी बहनों के खाते में पैसे डाले जा रहे हैं। आगे हमारी योजना है कि स्व सहायता समूह के माध्यम से ऐसी व्यवस्था कर देंगे कि बहनों को हर महीने 10000 रुपये की आय सुनिश्चित हो जिससे वह आत्मनिर्भर बन सकें। सीएम ने कहा कि आलोक शर्मा जीतकर आएंगे तो पुराने भोपाल शहर का विकास कराएंगे आपकी सेवा करेंगे।

कुछ बहनों ने आवेदन देकर मुख्यमंत्री से शाहजहानाबाद में दारू की दुकान हटाने का आग्रह किया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा इसे हटवा दिया जाएगा। बहनों को कोई समस्या नहीं रहने देंगे। बहनों के ऊपर कोई आंख उठाकर देखेगा उसे छोड़ेंगे नहीं। हमारा बुलडोजर अलग चलेगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रत्येक परिवार में कम से कम एक व्यक्ति को रोजगार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब बच्चों की पढ़ाई का पूरा खर्चा सरकार उठाएगी। ऐसी भी व्यवस्था कर देंगे जिससे किसी भी गरीब परिवार का बच्चा पढ़ने से वंचित न रह जाए यह हमारी जिम्मेदारी होगी। आप सभी से निवेदन है कि इस बार उत्तर विधानसभा में कमल खिलाएं, आलोक शर्मा को जिताएं, प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाएं। हम आपकी सेवा में कमी नहीं रखेंगे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। सीएम शिवराज ने कहा कि, कांग्रेस कई झूठी अफवाह फैला रही है, कांग्रेस झूठी पार्टी है। कांग्रेस के लोग कह रहें है कि, आदिवासियों की जमीन छीन ली जाएगी। श्री चौहान ने कहा कि, तुम्हारी जमीन की तरफ कोई उंगली भी उठाकर नहीं देख सकता है, जिन्हें पट्टा नहीं मिला है उनको भी पट्टा देकर मालिक बनाएंगे, भाजपा की सरकार सबसे पहले गरीबों के लिए है। कांग्रेस ने तो आज तक धेला नहीं दिया। कांग्रेस की सरकार आयी तो सवा साल में ही सभी योजनाएं बंद कर दी। बेटियों की शादी करके पैसे ही नहीं दियें, तीर्थ यात्रा बंद कर दी, संबल योजना बन्द कर दी, बच्चों की साईकिलें बंद कर दी, लैपटॉप देना बंद कर दिये, बहनों को मैं बेटा-बेटी के जन्म के पहले 4 हजार और जन्म के बाद 12 हजार देता था वो भी बंद कर दिये। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस आ गई तो ये सभी जन-कल्याणकारी योजनाओं पर ताला लगा देंगे।

उत्तराखंड के मंत्री सतपाल महाराज ने धार जिले के सिमराली में जनसभा को किया संबोधित

धार। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को और मजबूत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा भाजपा को वोट करना होगा। सबसे पहले हमे बूथ पर जाकर अपना वोट डालना होगा और लोगों को भाजपा को जिताने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को बनता होगा। यह बात उत्तराखंड के मंत्री श्री सतपाल महाराज ने धार जिले के धरमपुरी विधानसभा के गांव सिमराली में भाजपा प्रत्याशी श्री कालू सिंह ठाकुर के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। श्री सतपाल महाराज ने कहा कि भाजपा को जिताने के लिए हर बूथ को जितना होगा। पहले मतदान और फिर जलपान करना होगा। सतपाल महाराज ने कहा कि मध्यप्रदेश के चुनावों में आपका एक-एक वोट प्रदेश के साथ-साथ देश का भविष्य भी तय करेगा। प्रदेश को अब बीमारू राज्य से नहीं ,बल्कि विकसित राज्य के तौर पर जाना जाता है। डबल इंजन की सरकार रहेगी तो विकास और तेज गति से होगा। भाजपा को दिया गया आपका वोट देश और प्रदेश को मजबूत करेगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य श्री विनोद शर्मा, विधानसभा प्रभारी श्री श्याम नायक और मंडल अध्यक्ष धरमपुरी श्री कमलेश मानवे, मंडल अध्यक्ष गुजरी हुकुम वसुनिया,मंडल अध्यक्ष नालछा श्री ओमप्रकाश कामदार सहित भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान श्रीराम और कृष्ण के अस्तित्व पर ही सवाल उठाती थी कांग्रेसः योगी आदित्यनाथ

जनसभा को किया संबोधित कर कहा कांग्रेस देश की सबसे बड़ी समस्या

छिंदवाड़ा। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केदारनाथ हो या काशी विश्वनाथ जहां पहले कभी 5 लोग दर्शन नहीं कर पाते थे लेकिन आज वहां पर 50 हजार श्रद्धालू एक साथ दर्शन कर सकते हैं। 500 वर्ष के इंतजार के बाद हमारे श्री आराध्य भगवान श्री राम जी का मंदिर तैयार हो गया है और 24 जनवरी को अयोध्या में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। उन्होने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने कोर्ट में एफिडेविट देकर भगवान श्रीराम और श्री कृष्ण के अस्तित्व को ही नकार दिया था कमलनाथ भी इस कैबिनेट में मंत्री थे। कांग्रेस सनातन धर्म के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करती है। कांग्रेस देश की समस्या है इससे मुक्ति पाओगे तो देश का तेजी से विकास होगा।

प्रदेश में मोदी और शिवराज के नेतृत्व में विकास हुआ

उन्होने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में 18 वर्षो में विकास के कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। उन्होने डबल इंजन की सरकार के लिए छिंदवाड़ा विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी को जिताने की अपील की। आदित्यनाथ ने कहा कि जब हम राम जन्मभूमि में मंदिर बनाने की बात कहते थे तो हमारा मजाक उड़ाया जाता था। हम तो यही नारा लगाते थे कि हम मंदिर वहीं बनाएंगे, ढांचा भी गिराएंगे लेकिन कांग्रेस इसका मजाक बनाती थी।

छिंदवाड़ा का विकास नहीं हुआ

उन्होने कमलनाथ पर तंज कसते हुए कहा कि वे केन्द्र में मंत्री रहे प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे लेकिन छिंदवाड़ा का विकास नहीं किया उन्होने ने कहा कि कांग्रेस

ने भुखमरी, बेरोजगारी दी। भाजपा ने समाधान किया गरीबों को मिलने वाली योजना का लाभ मिल रहा है। उनके लिए पक्के आवास बनाए जा रहे हैं। राशन की सुविधा का लाभ मिल रहा है। आयुष्मान कार्ड से इलाज हो रहा है। सबका साथ सबका विकास का नारा देकर बिना भेदभाव के कार्य हो रहे हैं। उन्होने जनसभा में कार्यकर्ताओं से आव्हान किया भाजपा प्रत्याशी को जिताएं तो अयोध्या का टिकट भी पक्का हो जाएगा। जनसभा में योगी आदित्यनाथ को सुनने बड़ी संख्या में लोग आए हुए थे।

प्रदेश को भाजपा के भ्रष्टाचार से मुक्त कराना आप सभी की जिम्मेदारी

मैंने क्या किया आप सभी के सामने हैं

छिन्दवाड़ा। भाजपा महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अपराध पर बात नहीं करती, इन विषयों पर जब जनता बोलती है तो भाजपा इधर-उधर की बात कर भटकाने का प्रयास करती है, किन्तु इस बार जनता भाजपा से भटकने वाली नहीं भाजपा को भटकाने के लिये तैयार बैठी है। मौका 17 नवम्बर को है इस दिन आप सभी को 18 साल का हिसाब-किताब चुकता करना है। उक्त उदगार आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने गांगीवाड़ा में आयोजित विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये। कमलनाथ ने उपस्थित अपार जनसमुदाय को उदबोधित करते हुये कहा कि हमारी युवा पीढ़ी के वर्तमान और भविष्य के लिये भाजपा के भ्रष्टाचार से प्रदेश को मुक्त कराना आप सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। मैंने छिन्दवाड़ा में क्या किया इसका हिसाब आप सभी के पास है इसीलिये मुझे इस विषय पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है किन्तु भाजपा को 18 साल का हिसाब आप लोगों को देना चाहिये। शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश और हमारे जिले को क्या दिया। मैंने अपना जीवन छिन्दवाड़ा के विकास और उन्नति के लिये समर्पित किया है, यह बात यहां उपस्थित प्रत्येक बुजुर्ग जानते हैं। आगे भी हम मिलकर प्रदेश और जिले को नम्बर एक के पायदान पर लेकर जायेंगे, किन्तु इसके लिये मुझे आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है, वही सहयोग जो आप मुझे पिछले 43 वर्षों से देते आये हैं जिसकी बल और शक्ति से छिन्दवाड़ा को नई पहचान मिली है। श्री नाथ ने अंत में कहा कि एक बार फिर आप सभी मिलकर हाथ बढ़ायें और प्रदेश का नवनिर्माण में हिस्सेदार बनेंगे, मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार गांगीवाड़ा से रिकॉर्ड कायम होगा जिस पर मुझे गर्व होगा।

अंडर 15बालक वर्ग की क्रिकेट ट्रायल 19 नवंबर को

छिंदवाड़ा। जिला क्रिकेट संघ के सचिव आशीष त्रिपाठी ने बताया कि छिंदवाड़ा जिले की अंडर 15 बालक वर्ग की क्रिकेट टीम की चयन प्रक्रिया स्थानीय इंदिरा गांधी क्रिकेट मैदान पर दिनांक 19 नवंबर दिन रविवार के दिन सुबह 8ः30 बजे से रखी गई है। इस चयन प्रक्रिया में 1सितंबर 2008 के बाद जन्मे खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे। खिलाड़ीसमय का विशेष ध्यान रखे ।सभी खिलाड़ियों को डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य है।सभी खिलाड़ी सफेद यूनिफॉर्म में ट्रायल देने के लिए आएंगे। चयनित टीम आगामी दिनों में जबलपुर में आयोजित अंतर जिला मल्टी डे क्रिकेट प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की सभा, बैठक, रैली, जुलूस आदि पर प्रतिबंधित

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मनोज पुष्प द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये हैं । इस आदेश के अंतर्गत आदेश की अवधि 15 नवंबर को शाम 6 बजे से 18 नवंबर को प्रातः 8 बजे तक के दौरान कोई भी व्यक्ति, समूह, संगठन, संस्था, राजनैतिक दल, अभ्यर्थी आदि बिना सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के किसी भी प्रकार की सभा, बैठक, रैली, जुलूस आदि का आयोजन किसी भी सार्वजनिक स्थान पर नहीं कर सकेंगे। इस आदेश के अंतर्गत अभ्यर्थियों द्वारा किये जाने वाले घर-घर जनसम्पर्क कार्यक्रम, निजी वैवाहिक कार्यक्रम से संबंधित प्रोसेशन आदि इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे । इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी।

लाउड स्पीकर/मेगा फोन का उपयोग रहेगा पूर्णतः प्रतिबंधित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मनोज पुष्प द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये हैं। इस आदेश के अंतर्गत आदेश की अवधि 15 नवंबर 2023 को शाम 6 बजे से 18 नवंबर 2023 को प्रातः 8 बजे तक के दौरान विधानसभा निर्वाचन के अंतर्गत 48 घण्टे की अवधि में लाउड स्पीकर/मेगा फोन का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी ।

चिकित्सालय, शैक्षणिक संस्थाओं और मतदान केन्द्र से 200 मीटर के क्षेत्र में पार्टी कार्यालय खोलने पर रहेगा पूर्णतः प्रतिबंध

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मनोज पुष्प द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये हैं। इस आदेश के अंतर्गत आदेश की अवधि 15 नवंबर 2023 को शाम 6 बजे से 18 नवंबर 2023 को प्रातः 8 बजे तक के दौरान किसी भी व्यक्ति, अभ्यर्थी अथवा राजनैतिक दल को किसी चिकित्सालय, शैक्षणिक संस्थाओं और मतदान केन्द्र से 200 मीटर के क्षेत्र में पार्टी/अभ्यर्थी का कार्यालय खोलने की अनुमति नहीं रहेगी। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी वहींमनोज पुष्प द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये हैं। इस आदेश के अंतर्गत आदेश की अवधि 15 नवंबर 2023 को शाम 6 बजे से 18 नवंबर को प्रातः 8 बजे तक के दौरान निर्वाचन प्रचार के लिये विभिन्न धार्मिक स्थल यथा मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा आदि के स्थानों का उपयोग नहीं किया जायेगा।

भाजपा अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के जिला महामंत्री नारायण परतेति ने ग्रहण की कांग्रेस की सदस्यता

छिंदवाड़ा जिला भाजपा अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के जिला महामंत्री पदाधिकारी राम नारायण परतेती ने विधायक कमलेश प्रताप शाह के समक्ष ली कांग्रेस की सदस्यता अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 5 वर्षों से हरईजागीर मटका खापा परतापुर, सुरला खापा क्षेत्र में भाजपा के पदाधिकारी के साथ कर करते हुए विधानसभा में भाजपा की टिकट का आश्वासन क्षेत्र के पदाधिकारी के द्वारा दिया जाना एवं बाद में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाकर नारायण परतेति ने सैकड़ो अपने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता से त्यागपत्र देकरकांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली।

लापरवाही बरतने पर एक ग्राम पंचायत सचिव निलंबित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा विधानसभा निर्वाचन के महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने और बिना सूचना के कर्तव्य से अनुपस्थित रहने पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-159 का उल्लंघन किये जाने पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पांढुर्णा की ग्राम पंचायत बोथिया के सचिव सुभाष उईके को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में ग्राम पंचायत बोथिया के सचिव उईके का मुख्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पांढुर्णा रहेगा और निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा । यह कार्यवाही राजस्व अनुविभागीय अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 128-पांढुर्णा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई है । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्प ने बताया कि राजस्व अनुविभागीय अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 128-पांढुर्णा ने अपने प्रतिवेदन में उल्लेख किया है कि ग्राम पंचायत बोथिया के सचिव श्री उईके को एस.एस.टी. दल बडचिचोली हाईवे बैरियर पर सहायक कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया है और यह बैरियर 9 अक्टूबर 2023 से प्रभावशील है, किन्तु ग्राम पंचायत बोथिया के सचिव उईके आदेश दिनांक से आज तक बिना किसी सूचना के अनुपस्थित हैं। एस.एस.टी. टीम प्रभारी व नोडल अधिकारी एस.एस.टी. दल के द्वारा दूरभाष पर संबंधित कर्मचारी को अवगत कराने के उपरांत भी कर्तव्य पर अनुपस्थित रहते हुये कोई जबाव नहीं दिये जाने और उक्त बैरियर पर किसी भी पुलिस बल की तैनाती नही होने से निर्वाचन कार्य प्रभावित होने पर संबंधित कर्मचारी के विरूध्द निलंबन की कार्यवाही की गई है ।

मतदान दलों को मतदान केंद्र आवंटित

छिन्दवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत छिंदवाड़ा/पांढुणा जिलों के सभी सात विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान दलों का रेंडमाइजेशन कर मतदान केंद्र आवंटन के लिये भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त सॉफ्टवेयर के माध्यम से तृतीय रेंडमाइजेशन का कार्य आज एनआईसी के कक्ष में भारत निर्वाचन आयोग के सामान्य प्रेक्षकों श्री प्रणबज्योति नाथ, श्री कुमारजीव चक्रवर्ती व श्री धर्मेन्द्र कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 126-छिंदवाड़ा श्री पार्थ जैसवाल, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री के.सी.बोपचे, रिटर्निंग ऑफिसर एवं राजस्व अनुविभागीय अधिकारी चौरई श्री प्रभात कुमार मिश्रा व अमरवाड़ा श्री हेमकरण धुर्वे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, नोडल अधिकारी मैन पावर श्री जितेंद्र सिंह और जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री अंकित भार्गव उपस्थित थे।

किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार पूर्णतः रहेगा प्रतिबंधित

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान 30 नवम्बर की शाम 6ः30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में 31 अक्टूबर 2023 को इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यदि कोई व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा तो ऐसी अवधि के कारावास से जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से दण्डनीय होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्प ने बताया कि जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घण्टों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126-क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार नहीं करेगा।

पातालकोट और पेंचव्हेली को ईटारसी तक चलाया जा सकता

एकदम से रेलों को बन्द करने से यात्रियों को परेशानी होगी

छिंदवाड़ा। रेल्वे द्वारा भोपाल इटारसी रेल खण्ड पर बुदनी-बरखेड़ा घाट सेक्शन पर तीसरी लाईन का कार्य चल रहा है। जिसके तहत रेल्वे द्वारा 27 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक पातालकोट, पेंचव्हेली सिवनी बैतूल ट्रेन बन्द रहेगी। छिंदवाड़ा से भोपाल जाने के लिए रेल के रास्ते बन्द हो जावेंगे। छिंदवाड़ा से ईटारसी तक रेल चलाने में रेल्वे कोई परेशानी नहीं होगी, क्योकि बुधनी सेक्शन ईटारसी के आगे है। छिंदवाड़ा से सिवनी सभी ट्रेन एक साथ बन्द कर देने से यात्रियों को भारी परेशानी होगी, अतः पातालकोट एवं पेचव्हेली को ईटारसी तक और छिंदवाड़ा-बैतूल को भी आसानी से चलाया जा सकता है, जिससे छोटे स्टेशन के यात्रियों को आसानी होगी, इसके अलावा इन्ही दोनों को भाजपा से फिरोजपुर एवं भोपाल से इन्दौर चलाया जा सकता है, एक साथ सभी ट्रेनों के बन्द करने से आम यात्रियों को परेशानी होगी, कम्प्यूटर का जमाना है, अतः रेल्वे को इन ट्रेनों को चलाने में परेशानी नहीं होगी क्योकि रेक एवं स्टाफ दोनों ही रेल्वे के पास उपलब्ध है। रेलमंत्री से जनप्रतिनिधी चर्चा करेंगे तो टुकड़ों में रेल चलाई जा सकता है।

विधानसभा निर्वाचन के महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने पर एक अधिकारी निलंबित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प द्वारा विधानसभा निर्वाचन के महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने और ड्यूटी के दौरान शराब का सेवन करना पाये जाने पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-159 का उल्लंघन किये जाने पर उप वन क्षेत्रपाल झिरपा श्री सकनलाल कुमरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उप वन क्षेत्रपाल श्री कुमरे का मुख्यालय अनुविभागीय अधिकारी पश्चिम वनमंडल तामियां निर्धारित किया गया है तथा निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। यह कार्यवाही राजस्व अनुविभागीय अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 122-जुन्नारदेव द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई है ।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्प ने बताया कि राजस्व अनुविभागीय अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 122-जुन्नारदेव ने अपने प्रतिवेदन में उल्लेख किया है कि नायब तहसीलदार तामिया द्वारा 28 अक्टूबर 2023 को चैक पोस्ट झिरपा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया जिसमें द्वितीय चरण प्रातः 8 शाम 4 बजे की अवधि में उप वन क्षेत्रपाल झिरपा श्री सकनलाल कुमरे और सहायक कर्मचारी एवं रोजगार सहायक ग्राम पंचायत अनहोनी ब्रजेश उइके व ग्राम माहुलझिर के कोटवार नर्मदा प्रसाद मौके पर पाये गये। मौके पर चैक पोस्ट पर उप वन क्षेत्रपाल झिरपा श्री कुमरे की बातचीत व हाव भाव के आधार पर संदेह होने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र देलाखारी के डॉ.योगेश कुमार से फिजीकल एग्जामिन कराया गया जिनमें डॉक्टर द्वारा शराब का सेवन किये जाने की पुष्टि की गई। इस संबंध में कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 3 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये जाने के बाद भी उप वन क्षेत्रपाल कुमरे द्वारा समयावधि में कोई स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया। ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारी के विरूद्ध एकपक्षीय निर्णय लिया जाकर विधानसभा निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने एवं ड्यूटी के दौरान शराब का सेवन करने पर उप वन क्षेत्रपाल श्री कुमरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

डब्ल्यू सी एल की जमीन पर पट्टों का विवाद नही होगा

हजारों की संख्या में उमड़ा जन सैलाब

छिन्दवाड़ा। सन 1980 से निर्धारित मतदान विधी के पूर्व शासन के निर्देशानुसार प्रचार विराम के अंतिम दिन कमलनाथ ने अपने सभी चुनावों की ऐतिहासिक जनसभा जामई में ली है। अपनी चुनावी परम्परा के अनुसार आज भी कमलनाथ ने जामई में आयोजित ऐतिहासिक जनसभा में अपने उदगार व्यक्त किये। नाथ का यह उदबोधन चुनावी भाषण नहीं बल्कि अपने परिवार के सदस्यों के बीच एक खुली चर्चा की कि हमने बीते वर्षो में क्या खोया, क्या पाया और हमारी नेक नीयत के बदले में सत्ता के दलालों ने हमारे घर-घर हमारे छिन्दवाड़ा को क्या-क्या क्षति पहुंचाई। कमलनाथ ने पूर्ण आत्मविश्वास से कहा कि जामई में डब्ल्यूसीएल की जमीन पर पट्टों का कोई विवाद नहीं रहेगा प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही इस समस्या का तत्काल निराकरण किया जावेगा। उन्होंने अपने पंद्रह महीने के कार्यकाल की जानकारी देते हुये बताया कि हम छिन्दवाड़ा वाले धोखेबाज या दगाबाज नहीं है मैं चाहता तो विधायक खरीद सकता था परन्तु सौदेबाजी की कुर्सी पर अगर मैं बैठता तो मेरे अपने छिन्दवाड़ा परिवार के लोग ही मुझसे नाराज होते जाते।श्री नाथ ने कहा कि मैं बार-बार यह कहता आया हूं कि यह चुनाव हमारे जिले और प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। 17 नवम्बर को आपको प्रदेश का एक नया इतिहास लिखना है।

सीनियर सिटीजन के साथ ली मतदान की शपथ

अमरवाड़ा। विधानसभा निर्वाचनअमरवाड़ा के शहीद चौक पर प्रगति सोपान समिति के तत्वाधान में सत प्रतिशत मतदान करने एवं करवाने की पहल पर अमरवाड़ा सीनियर सिटीजन सदस्यो जिसमें व्यापारी राजेंद्र सोनी, हाजी शेख मुख्तार खान, संतोष तिवारी ,अरविंद ठाकुर ,देवेंद्र कुमार संतोष नामदेव ,अभिषेक जैन ,अमित गुप्ता, संदीप जैन, युग ठाकुर, सरेठा ने मतदान करने की जहां शपथ ली ।

मेडिकल, विश्वविद्यालय व हॉर्टिकल्चर कॉलेज लेगा पूरा आकारः नकुलनाथ

एग्रीकल्चर का सपना भी होगा साकार

छिन्दवाड़ा। पहली दफा हमने सौ रुपये में सौ यूनिट बिजली का वादा पूरा किया, अबकी बार हम सौ यूनिट मुफ्त और दो सौ यूनिट बिजली हाफ होगी। पंद्रह माह की सरकार में वृद्धा पेंशन तीन सौ रुपयों से बढ़ाकर छह सौ रुपये की थी और इस बार सीधे बारह सौ रुपये करेंगे। प्रत्येक परिवार का 25 लाख रुपयों का स्वास्थ्य और दस लाख रुपये का दुर्घटना बीमा होगा। यह वादे नहीं वचन है जो क्रमशः दिसम्बर माह में श्री कमलनाथ जी के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही पूरे होने प्रारम्भ होंगे। उक्त उदगार आज सांसद नकुलनाथ ने अपनी जनसभाओं में व्यक्त किये। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के हर्रई ब्लॉक के ग्राम बटकाखापा व खिरकी घाट में आयोजित विशाल जनसभाओं को सम्बोधित करते हुये सांसद नकुलनाथ ने कहा कि मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय और हॉर्टिकल्चर कॉलेज पूरा आकार लेंगे साथ ही एग्रीकल्चर कॉलेज का सपना भी साकार होगा। हमारे जिले के साथ ही पड़ोसी जिलों के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु कमलनाथ द्वारा खोले गये इन शैक्षणिक संस्थाओं को पूर्ण आकार लेने से भाजपा की सरकार ने रोका है जिसका जवाब आप सभी को देना है। प्रदेश के 27 लाख और जिले के 75 हजार किसानों की कर्जमाफी कमलनाथ ने पंद्रह माह की सरकार में की अब पुनः किसान कर्जमाफी प्रारम्भ होगी और जिले व प्रदेश का किसान खुशहाल होगा। सांसद नाथ ने उपस्थित अपार जनसुमदाय से कहा कि भाजपा की विदाई का दिन 17 नवम्बर तय किया गया है इस दिन जब आप विधायक कमलेश शाह को चुनने के लिये पंजे की बटन दबायेंगे तो आपका यह मत श्री कमलनाथ जी के हाथों को मजबूती प्रदान करेगा साथ ही मुख्यमंत्री भी चुनेगा।

बाइक रैली में शामिल हुये नकुलनाथ

युवक कांग्रेस के तत्वावधान में निकाली गई बाइक रैली में सम्मिलित होकर सांसद श्री नकुलनाथ ने युवाओं का मनोबल बढ़ाया। जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष एकलव्य याहके के नेतृत्व में निकाली गई इस बाइक रैली में दो हजार से अधिक युवा सम्मिलित हुये और नगर के गणमान्य मतदाताओं से श्री कमलनाथ जी को मुख्यमंत्री चुनने की अपील की।

कांग्रेस सनातन की विरोधी है, कांग्रेस ने भगवान राम को काल्पनिक बताया

भाजपा सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई

छिंदवाड़ा। कांग्रेस भगवान श्रीराम और श्रीराम सेतु को काल्पनिक बताती है। चुनाव आते ही कांग्रेस को हिन्दू और मंदिर दिखते हैं। 60 साल कांग्रेस ने मंदिर की सीढ़ियां नहीं चढ़ीं। यह बात महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सौसर के पीपला में भाजपा प्रत्याशी नाना भाऊ मोहोड के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बेटे ने सनातन धर्म को डेंगू मलेरिया बताया है। कांग्रेस कभी विकास नही कर सकती क्योंकि उसके पास विकास का कोई विजन नहीं है। फडणवीस ने पांढुर्ना में भी पार्टी प्रत्याशी प्रकाश उइके के समर्थन में भी जनसभा को संबोधित किया।यह चुनाव मध्यप्रदेश के भविष्य का चुनाव फडणवीस ने कहा कि मध्यप्रदेश का यह चुनाव प्रदेश के भविष्य तय करेगा। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार होगी तो विकास का क्रम जारी रहेगा और प्रदेश विकसित राज्य की राह पर जो बढ़ रहा है वो जल्दी पूरा हो जाएगा। कमलनाथ और कांग्रेस के शासन में प्रदेश का विकास नहीं हो सका। कांग्रेस ने सिर्फ घोटाले ही घोटाले किए। 2003 के पहले का मध्यप्रदेश और आज के मध्यप्रदेश में जमीन आसमान का अंतर है।

पांढुर्ना को जिला भाजपा ने बनाया

पांढुर्ना में भाजपा प्रत्याशी प्रकाश उइके से समर्थन में देवेन्द्र फण्डावीस ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आदिवासी समाज के जननायक, जिन्होंने जल, जमीन और जंगल के लिए अंग्रेजों से लोहा लेकर अधिकार हासिल किया। ऐसे महान बिरसा मुंडा जी के जयंती पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए 24 हजार करोड़ की योजना की घोषणा की है, जिससे आदिवासी समाज का विकास एवं युवाओं के जीवन में परिवर्तन होकर मुख्यधारा से जुड़ सके। फडणवीस ने कहा कि पांढुर्णा को जिला बनाने का काम भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। जिला बनना बहुत बड़ी बात होती है जिससे अब जिले को मिलने वाला फंड सीधा पांढुर्ना के खाते में आएगा ना कि छिंदवाड़ा में और पांढुर्ना के विकास की योजना भी जिला पांढुर्ना में ही बनेगी। इस अवसर पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी, नागपुर के विधायक प्रवीण दडके, प्रियवर सिंह ठाकुर, संतोष जैन, प्रदेश प्रवक्ता अजय धवले उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीएम निवास में भारत की न्यूजीलैंड पर जीत का जश्न मनाया।

भारत-न्यूजीलैंड मैच: रिकॉर्ड 5.3 करोड़ लोगों ने ओटीटी पर देखा मैच

इंदौर के राजवाड़ा पर भारत की जीत का मनाया गया जश्न

इंदौर। भारत-न्यूजीलैंड के बीच खेले गए वर्ल्ड कप-2023 सेमीफाइनल के मैच ने व्यूअरशिप के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ह्रुञ्ज प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर इस मैच को रिकॉर्ड 5.3 करोड़ से ज्यादा लोगों ने लाइव देखा।

इस महत्वपूर्ण मैच में, भारतीय टीम ने 12 सालों बाद सेमीफाइनल जीता और विराट कोहली ने नॉकआउट मुकाबले में सेंचुरी जड़ी। यहां 5 गेंदबाजों ने 13+ विकेट लिए। मैच के जीत के बाद देश के विभिन्न शहरों के साथ-साथ, इंदौर के राजवाड़ा में भी भारत की जीत का जश्न

मनाया गया। हाथों में तिरंगा लिए हजारों की संख्या में लोग मैदान पर उतरे और जमकर आतिशबाजी की गई।

यह वर्ल्ड कप मैच हॉटस्टार पर लाइव देखने वाले लोगों के बीच काफी पसंद किया गया और इसने न तो सिर्फ इंटरनेट पर बल्कि इंदौर में भी उत्साह और जोश भरा। विराट कोहली की धमाकेदार पारी और टीम के जुनून ने इस मैच को एक नए दर्जे तक पहुंचाया। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुए इस बड़े मुकाबले ने खिलाड़ियों की मेहनत और जुनून को प्रशंसा प्रधानमंत्री द्वारा भी की गई।

सहारा इंडिया के चेयरमैन सुब्रत रॉय सहारा के निधन के बाद लाखों निवेशकों के मन में उठ रहा रिफंड को लेकर सवाल

भोपाल। सहारा इंडिया के चेयरमैन सुब्रत रॉय सहारा का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। देशभर में ऐसे लाखों लोग हैं, जिन्होंने सहारा की योजनाओं में निवेश किया था। इन सभी निवेशकों के मन में एक ही सवाल है कि उनके पैसों का क्या होगा। क्या सहारा की योजनाओं में फंसा उनका पैसा उन्हें मिल पाएगा या नहीं। क्या सुब्रत रॉय के निधन के साथ ही उनका पैसा भी डूब जाएगा।

इन्हीं सवालों के जवाब खोजने के लिए द सूत्र ने विशेषज्ञों से बात की और जो जवाब मिले वे आपके सामने पेश हैं।

रिफंड प्रोसेस का क्या होगा?

जानकारों का कहना है कि सुब्रत रॉय के निधन से निवेशकों के मिल रहे रिफंड की प्रोसेस पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बता दें कि केंद्र सरकार ने कुछ दिन पहले ही सहारा के निवेशकों के फंसे पैसों को रिफंड करने के लिए एक पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल के जरिए निवेशकों का पैसा वापस किया जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह प्रक्रिया जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था आदेश

सहारा की योजनाओं में निवेशकों के फंसे पैसो को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में आदेश दिया था कि निवेशकों का पैसा उन्हें ब्याज सहित लौटाया जाना चाहिए। शीर्ष कोर्ट के फैसले के बाद 3 करोड़ लोगों का पैसा वापस करने के लिए केंद्र ने सहारा रिफंड पोर्टल लॉन्च किया। इसके जरिए निवेशकों का पैसा वापस हो रहा है। चूंकि यह प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण शुरू की गई है, ऐसे में इस प्रक्रिया में कोई बाधा आना संभव नहीं है।

इस तरह मिलेगी राशि

सहारा समूह की चार सहकारी समितियों में लोगों का पैसा फंसा है। निवेशक सहारा रिफंड पोर्टल पर आवेद कर अपनी राशि पा सकते हैं। इसके लिए ऑनलाइन ही क्लेम करना होगा। इसके लिए जरूरी कागजात और रसीद अपलोड करनी होगी। इन कागजातों की जांच-पड़ताल के बाद निवशकों को रिफंड मिल रहा है। केंद्र सरकार निवेशकों का पैसा किस्तों में वापस कर रही है। को किस्तों में पैसा वापस कर रही है। क्लेम की प्रोसेस निशुल्क है।

टोल फ्री नंबर भी जारी किए गए हैं

सहारा के निवेशकों को रिफंड में कोई दिक्कत नहीं हो इस मकसद से केंद्र सरकार ने दो टोल फ्री नंबर भी जारी किए हैं। ये नंबर हैं- 1800 103 6891 / 1800 103 6893। यदि किसी निवेश को कई परेशानी आती है तो वह इन टोल फ्री नंबर पर संपर्क कर सकता है।

भोपाल जिले के मतदान दलों को लाल परेड मैदान पर मतदान सामग्री का वितरण किया जा रहा है। ये दल यहीं से बसों से मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो रहे हैं।

गंदी सोच वाली कांग्रेस पार्टी का समर्थन कैसे किया जा सकता है: दिया कुमारी

जयपुर। दिया कुमारी का चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। दिया कुमारी ने बुधवार को दिन की शुरुआत में ढेहर के श्री बालाजी महाराज के दर्शन करके आशीर्वाद प्राप्त कर प्रभु से लोकमंगल की कामना की। इसके उपरांत उन्होंने वार्ड 26 और वार्ड 35 में जनसभाओं को सम्बोधित किया।

कांग्रेस की सोच पर वार करते हुए दिया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के संस्कार ऐसे हैं कि सम्मानित सदन में इनके मंत्री राजस्थान में हुए सर्वाधिक महिला अत्याचारों पर कहते हैं कि यह तो मर्दों का प्रदेश है। ऐसी गन्दी सोच वाली कांग्रेस पार्टी को कैसे समर्थन दिया जा सकता है?

कांग्रेस प्रत्याशी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि मेरे सामने वाले भी मेरे खिलाफ कई तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। मैं तीसरा चुनाव लड़ रही हूं मगर

आज तक मैंने किसी के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की। ना ही मेरे परिवार वालों ने ऐसा करना सिखाया और ना ही मेरे पार्टी ने इस तरह की ओछी राजनीति की। मैंने राजनीति में सबको सम्मान दिया है, सबका सम्मान और आशीर्वाद लिया है। आज भी जनता जनार्दन के बीच में आशीर्वाद और सम्मान ले रही हूं। यही मेरा सौभाग्य और कमाई है।

मतदाता सूची से नाम गायब

भोपाल। राजधानी में मतदाता सूचियों में भारी गड़बड़ी सामने आ रहीं है। ज्वाहरचौक स्थित 45 बंगले में निवासरत विजय तिवारी और उनकी पत्नी गंगा तिवारी का नाम मतदाता सूची से गायब है। वहीं उनके पुत्रा आशुतोष का नाम मतदाता सूची में इंद्राज है। जबकि तिवारी जी का परिवार ई 45 बंगले के ई 43 में ही निवासरत है। उन्हें अपने मतदान करने वंचित होने की संभावना दिखाई दे रही है। इस तरह की गलतियां प्रदेश की सभी विधानसभाओं में हुई है। तिवारी ने इसकी शिकायत निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर भी कर दी है।

भोपाल में मतदान के लिए 300 आदर्श और 111 महिला केंद्र किए स्थापित

भोपाल। जिले में सात विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए कुल 2049 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर कुल 1500 मतदाता शामिल किए गए हैं। इस बाद जिले में 300 आदर्श और 111 महिला मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। यहां पर महिला दल ही शामिल होगा। यह पहली बार होगा कि मतदान केंद्र पर महिलाएं पूरी तरह से मतदान प्रक्रिया को संपन्न कराएंगी। मतदान दल में चार कर्मचारी तैनात रहेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि 17 नवंबर शुक्रवार को सुबह साढ़े पांच बजे माक पोल होगा। इसके बाद ही सुबह सात से शाम छह बजे तक मतदान होगा। जिले में कुल 20 लाख 87 हजार 32 मतदाता हैं।

भोपाल में 5 दिन में टेम्प्रेचर 4.4 डिग्री लुढ़का

दिन में ठंडक बढ़ी, सुबह और शाम गुलाबी ठंड का असर

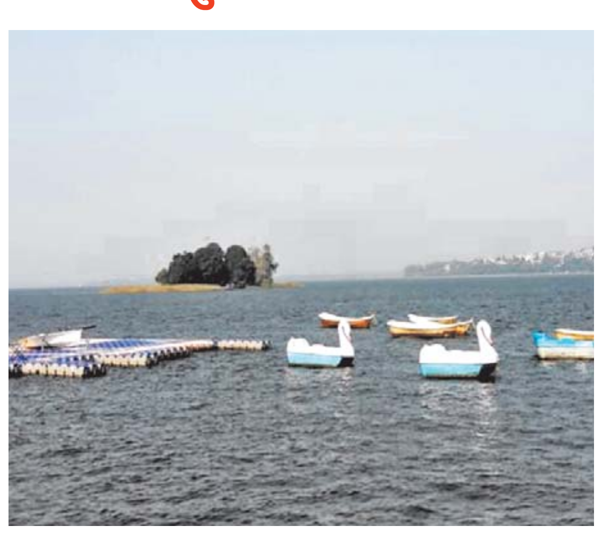

भोपाल। उत्तरी भारत में बर्फबारी होने का असर मध्यप्रदेश में भी दिखाई देने लगा है। भोपाल में पिछले 5 दिन में दिन का टेम्प्रेचर 4.4 डिग्री तक लुढ़क गया। वहीं, रात में 3 डिग्री की गिरावट हुई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि रात के साथ ही दिन में भी ठंडक है। सुबह और शाम को गुलाबी ठंड है।

मौसम वैज्ञानिक अशफाक हुसैन ने बताया कि जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी होने से हवाओं का रुख भी बदला है। प्रदेश में अब उत्तरी हवाएं आने लगी है। इस कारण गुलाबी ठंड का असर बढ़ा है। इससे अगले कुछ दिन तक मौसम ऐसा ही रहेगा। 20 नवंबर के बाद दिन-रात के तापमान में और गिरावट होगी।

ऐसा रहा पहला पखवाड़ा

नवंबर का पहला पखवाड़ा यानी 1 से 15 तारीख के बीच राजधानी में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिला। पांच दिन पारा 33 डिग्री और 3 दिन 34 डिग्री या इससे अधिक रहा। वहीं, रात में पारा 18 डिग्री तक पहुंच गया। 12 नवंबर के बाद पारे में गिरावट होने लगी।

अगला पखवाड़ा यानी 16 से 30 नवंबर के बीच ठंड का असर रहेगा। सुबह धुंध भी रहेगा। दिन और रात दोनों ही तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा। 4 नवंबर 1977 को दिन का टेम्प्रेचर 35.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। यह नवंबर में इतने तापमान का ऑल टाइम रिकॉर्ड है। 30 नवंबर 1941 को रात का तापमान 6.1 डिग्री पहुंचा था। नवंबर में बारिश का ट्रेंड भी है। वर्ष 1936 में पूरे महीने 134.1 मिमी यानी 5.2 इंच बारिश हुई थी। 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश का रिकॉर्ड 10 नवंबर 1969 में 76.4 मिमी यानी 3 इंच का है।